sab ka sapna 02 March 2026:Layout 1 01-03-2026 20:56 Page 1

सब का सपना

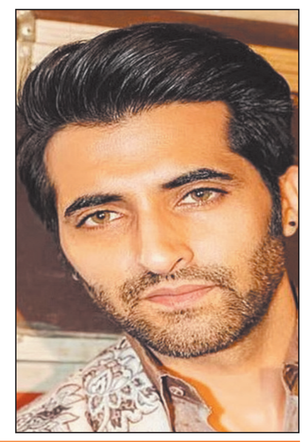

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

होली खेलें पर सावधानी पेज: 7 | यश की नए अक्षय ओबेरॉय की एंट्री पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 321 | सोमवार 02 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

अमेरिका-इजरायल का ज्वाइंट ऑपरेशन, ईरान के पलटवार ने वेस्ट एशिया को कैसे अस्थिरता में डाला?

नई दिल्ली एजेंसी: मिडिल ईस्ट में 28 फरवरी सुबह जंग छिड़ गई। एक बार फिर ये गल्फ वॉर है। मौजूदा यूएस-इजरायल और ईरान के टकराव से पहले भी खाड़ी मे दो बार बड़े युद्ध हो चुके हैं, पहली बार 1990-91 में और दूसरी बार 2003 में। जैसे तब खाड़ी क्षेत्र महाशक्तियों की भिड़ंत का मैदान बना था, अब फिर से वहां क्षेत्रीय जंग के आसार हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप तेहरान और देश के कई शहरों में विस्फोट हुए। तेहरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइल और मध्य पूर्व में स्थित कई सैन्य ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए, जहां अमेरिकी सेना तैनात है। ईरान ने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर उस पर हमला हुआ तो वह पूरे क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई करेगा। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने कहा कि यह अभियान तब तक निरंतर जारी रहेगा जब तक दुश्मन को निर्णायक रूप से पराजित नहीं कर दिया जाता। आखिर क्या है विवाद? यूएस और ईरान के बीच तनातनी दशकों पुरानी है। 1979 के ईरान के बाद तो दोनों मुल्कों के संबंधों में अदावत जगजाहिर है। मौजूदा वक्त में सारा विवाद ईरान यूरेनियम संवर्धन को लेकर है। यूएस चाहता है कि ईरान पर पूरी तरह ब्रेक लगा दे और बैलेस्टिक मिसाइल की मारक क्षमता इतनी कम कर दे कि इस्राइल के लिए कोई खतरा न पनप सके। हालांकि, ईरान कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण मकसद के लिए है। अमेरिका चाहता है कि ईरान इस क्षेत्र में सशस्त्र समूहों को मिल रहा समर्थन भी रोके। हालांकि, ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के मुताबिक, ऐसी शर्तों को स्वीकार करना यूएस के साथ सीमित रूप में युद्ध से ज्यादा खतरनाक विकल्प है। लगभग सुबह 9:27 बजे (06:27 जीएमटी) ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने राजधानी तेहरान में सिलसिलेवार विस्फोटों की सूचना दी। पश्चिमी तेहरान में अल जजीरा के संवाददाता ने बताया कि उन्होंने दो विस्फोटों की आवाज सुनी, जबकि सोशल मीडिया पर साझा किए गए

आईवीएफ सेंटर पर हुई फायरिंग का मामला, 2 पुलिस अधिकारी सस्पेंड

जालंधर : शहर में लगातार हो रही फायरिंग की घटनाओं ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मोता सिंह नगर स्थित आईवीएफ सेंटर पर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए एसीपी मॉडल टाउन परमिंदर सिंह मंड और थाना 6 के एसएचओ रविंद्र गौरी को सस्पेंड कर दिया है। इस कार्रवाई की पुष्टि पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने की। हालांकि, इसी दिन सुबह संतोखपुरा इलाके में एक डॉक्टर के घर पर हुई फायरिंग की घटना में अब तक किसी भी पुलिस अधिकारी के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया गया। यही वजह है कि पुलिस की कार्रवाई को लेकर दोहरे मापदंडों के आरोप लगने लगे हैं। एक ही दिन में हुई दो फायरिंग की घटनाओं में अलग-अलग रवैया अपनाए जाने से आम लोगों में नाराजगी है। अब देखना यह होगा कि नॉर्थ इलाके की फायरिंग को लेकर पुलिस प्रशासन आगे क्या कदम उठाता है और क्या वहां के जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाएगी या नहीं।

पंजाब में वारदात! किसान सभा के नेता व सरपंच पर तेजधार हथियारों से किया हमला

जालंधर : जालंधर के मेहतपुर इलाके में जमहरी किसान सभा के नेता सरपंच महिंदर सिंह पर ड्रग तस्करों ने हमला कर दिया। सरपंच को घायल हालत में जालंधर के अरमान हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इस घटना के बाद गुस्साए लोगों ने पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। गांव वालों और किसान नेताओं ने बताया कि सरपंच महिंदर सिंह लगातार पुलिस प्रशासन को इलाके में ड्रग्स की बिक्री और ड्रग्स की तस्करी की जानकारी दे रहे थे। उनका आरोप है कि जानकारी के बावजूद पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, जिससे तस्करों के हौसले और बढ़ गए।लोगों ने आरोप लगाया कि कार्रवाई करने के बजाय पुलिस ने तस्करों को सरपंच का नाम बता दिया, जिससे उनकी दुश्मनी और बढ़ गई। 1 फरवरी की सुबह जब सरपंच अपनी पत्नी के साथ खेतों में जा रहे थे, तो हमलावरों ने उन पर रॉड और हथियारों से हमला कर दिया। हमले में सरपंच के सिर में गंभीर चोटें आईं और पैर टूट गए। वह अभी गंभीर हालत में हैं और जालंधर के एक हॉस्पिटल में भर्ती हैं। घटना से गुस्साए लोगों ने मेहतपुर पुलिस स्टेशन के बाहर पंजाब सरकार और पुलिस के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई सिर्फ दिखावा है। जमीनी स्तर पर ड्रग्स का गलत इस्तेमाल और गुंडागर्दी बढ़ गई है। गांव वालों का कहना है कि पुलिस स्टाफ की कमी का बहाना बनाकर बड़े ड्रग तस्करों को बढ़ावा दे रही है, जिससे जनता और जनप्रतिनिधि असुरक्षित हो रहे हैं।

2 सब का सपना हिंदी दैनिक

विचार मंथन

अमरोहा
सोमवार 02 मार्च 2026
www.sabkasapna.com

संपादकीय

किताब पर 'सुप्रीम' पाबंदी

सर्वोच्च अदालत ने एक किताब पर 'पूर्ण प्रतिबंध' (ब्लैंकेट बैन) का आदेश दिया है, जिसमें 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' का अध्याय संकलित था। किताब 8वीं कक्षा में सामाजिक विज्ञान के तौर पर पढ़ाई जानी थी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्था 'राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्' (एनसीईआरटी) ने छापी थी। देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत समेत अन्य न्यायाधीश भी बहुत कुपित हुए और इस अध्याय को शामिल करने को 'गहरी साजिश' करार दिया। प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी थी कि एनसीईआरटी ने गोली चला दी है और न्यायपालिका लहूलुहान है। यह महज एक गलती नहीं है, बल्कि न्यायपालिका की गरिमा गिराने और युवाओं के भीतर जहर भरने की एक 'सोची-समझी साजिश' लगती है। संस्था के निदेशक ने गलती मानने के बजाय लिखित में इन विवादित अंशों का बचाव किया है। यह और भी गंभीर है। हम पता लगाएंगे। सिर तो कटेंगे, हम गहरी जांच करेंगे। हम न्यायपालिका सरीखे संवैधानिक संस्थान को इस तरह बदनाम नहीं होने देंगे। न्यायपालिका पर आज भी करोड़ों लोगों का विश्वास, भरोसा है। उसे टूटने कैसे दिया जा सकता है?' इसी के साथ न्यायिक पीठ ने किताब के फिजिकल या डिजिटल, हार्ड या सॉफ्ट और वेब पोर्टल आदि सभी प्रारूपों और संस्करणों को जब्त करने का आदेश दिया है। किताब की जो 38 प्रतियां बिक चुकी हैं, उन्हें भी हासिल कर जब्त किया जाए। न्यायिक पीठ ने एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी और केंद्रीय स्कूल शिक्षा सचिव को नोटिस जारी कराए हैं। वे 11 मार्च को अदालत में मौजूद रहेंगे। सर्वोच्च अदालत ने यहां तक कहा है कि क्यों न निदेशक के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए? अदालत ने जो आदेश दिया है, उसकी अनुपालना रपट दो सप्ताह में जमा करानी होगी। सामाजिक विज्ञान की ऐसी किताब और उसमें न्यायपालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार की खबर सामने आई, तो कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने भी गुस्सा जताते हुए सवाल किया-यह हम क्या पढ़ा रहे हैं? कौन देख रहा है यह सब? ऐसी सामग्री का अनुमोदन कौन कर रहा है? किसी को तो जवाबदेह ठहराना चाहिए। प्रधानमंत्री की यह सख्त टिप्पणी, हालांकि, सूत्रों के हवाले से सार्वजनिक हुई है। बहरहाल किताब के विवादित अध्याय में लिखा गया है कि सर्वोच्च अदालत में करीब 81,000 मुकदमे लंबित हैं, जबकि देश के उच्च न्यायालयों में यह आंकड़ा करीब 62.40 लाख है। 2017-21 के दौरान भ्रष्टाचार की करीब 1600 शिकायतें दर्ज की गईं। प्रधान न्यायाधीश के दफ्तर को जो शिकायतें मिलीं, वे अलग हैं। 2016-25 के दौरान न्यायाधीशों के खिलाफ 8639 शिकायतें मिलीं, यह कानून मंत्रालय ने संसद में खुलासा किया है। क्या ये शिकायतें ही भ्रष्टाचार की प्रमाण हैं अथवा यह व्यवस्था का गंभीर सवाल है?

चिंतन-मनन

भगवान का सबसे प्रिय आहार अहंकार

अहंकार शब्द बना है अहं से, जिसका अर्थ है मैं। जब व्यक्ति में यह भावना आ जाती है कि जो हूं सो मैं, मुझसे बड़ा कोई दूसरा नहीं है तभी व्यक्ति का पतन शुरू हो जाता है। द्वापर युग में सहस्त्रबाहु नाम का राजा हुआ। इसे बल का इतना अभिमान हो गया कि शिव से ही युद्ध करने पहुंच गया। भगवान शिव ने सहस्त्रबाहु से कह दिया कि तुम्हारा पतन नजदीक आ गया है। परिणाम यह हुआ कि भगवान श्री कृष्ण से एक युद्ध में सहस्त्रबाहु को पराजित होना पड़ा।

रावण विद्वान होने के साथ ही महापराप्रमी था। उसे अपने बल और मायावी विद्या का अहंकार हो गया और उसने सीता का हरण कर लिया। इसका फल रावण को यह मिला कि रावण का वंश सहित सर्वनाश हो गया। अंत काल में उसका सिर भगवान राम के चरणों में पड़ा था। भगवान कहते हैं मेरा सबसे प्रिय आहार अहंकार है अर्थात अहंकारियों का सिर नीचा करना भगवान को सबसे अधिक पसंद है। अहंकारी का सिर किस प्रकार भगवान नीच करते हैं इस संदर्भ में एक कथा है कि, नदी किनारे एक सुन्दर सा फूल खिला। इसने नदी के एक पत्थर को देखकर उसकी हंसी उड़ायी कि, तुम किस प्रकार से नदी में पड़े रहते हो। नदी की धारा तुम्हें दिन रात ठोकर मारती रहती है। मुझे देखो मैं कितना सुन्दर हूं। हवाओं में झूमता रहता हूं। पत्थर फूल की बात को चुपचाप सुनता रहा।

पानी में घिसकर पत्थर ने शालिग्राम का रूप ले लिया था। किसी व्यक्ति ने उसे उठाकर अपने पूजा घर में स्थापित किया और उसकी पूजा की। पूजा के समय उस व्यक्ति ने फूल को शालिग्राम के चरणों में रख दिया। फूल ने जब खुद को पत्थर के चरणों में पाया तो उसे एहसास हो गया कि उसे अपने अहंकार की सजा मिली है। पत्थर ने अब भी कुछ नहीं कहा वह फूल की मनस्थिति को देखकर मुस्कुराता रहा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

इजरायल- ईरान का छद्म युद्ध से क्या पश्चिम एशिया में बढ़ेगा तनाव?

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम एशिया लंबे समय से अस्थिरता का केंद्र रहा है, और इस अस्थिरता की एक प्रमुख धुरी है इजरायल और ईरान के बीच चल रहा छद्म युद्ध। यह टकराव प्रत्यक्ष युद्ध के बजाय परोक्ष हमलों, साइबर हमलों, खुफिया अभियानों और क्षेत्रीय संगठनों के माध्यम से लड़ा जाता रहा है। अब आशंका जताई जा रही है कि यह छद्म संघर्ष खुली सैन्य भिड़ंत का रूप ले सकता है, जिससे पूरे पश्चिम एशिया में तनाव भड़क सकता है। दोनों देशों के बीच सीधे युद्ध भले ही कम देखने को मिला हो, लेकिन विभिन्न मोर्चों पर अप्रत्यक्ष टकराव लगातार जारी रहा है। यही कारण है कि क्षेत्र में किसी भी छोटी घटना के बड़े संघर्ष में बदलने की आशंका बनी रहती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह टकराव और बढ़ता है तो इसका असर पूरे पश्चिम एशिया पर पड़ सकता है। यह क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों का केंद्र है। इसलिए किसी भी बड़े सैन्य संघर्ष से अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

दरअसल, इजरायल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके बढ़ते क्षेत्रीय प्रभाव को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता रहा है। वहीं ईरान भी इजरायल की नीतियों और पश्चिमी देशों के साथ उसके गठजोड़ की खुलकर आलोचना करता रहा है। इस वैचारिक और सामरिक टकराव ने दोनों देशों के रिश्तों को लगातार तनावपूर्ण बनाए रखा है।

ईरान और इजरायल के बीच वैचारिक और रणनीतिक मतभेद गहरे हैं। इजरायल जहां ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता है, वहीं ईरान इजरायल की क्षेत्रीय नीतियों का विरोध करता है। सीरिया, लेबनान और गाजा जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों का प्रभाव टकराता रहा है। लेबनान में सक्रिय हिज्बुल्लाह और गाजा में हमास जैसे संगठनों को लेकर इजरायल और ईरान के बीच आरोप-प्रत्यारोप और हमलों का सिलसिला चलता रहा है।

हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच साइबर हमलों, ड्रोन हमलों और गुप्त अभियानों की खबरें सामने आती रही हैं। हालांकि दोनों पक्ष अक्सर प्रत्यक्ष जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करते, लेकिन क्षेत्रीय विशेषज्ञ इसे ₹शैडो वॉर₹ यानी छद्म युद्ध की संज्ञा देते हैं।

यदि यह संघर्ष खुलकर सामने आता है तो इसका प्रभाव केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। पश्चिम एशिया वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। किसी भी बड़े सैन्य टकराव से तेल की कीमतों में उछाल, वैश्विक बाजारों में अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक संकट पैदा हो सकता है। इसके अलावा अमेरिका और अन्य वैश्विक शक्तियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाएगी, जिससे संघर्ष का दायरा और व्यापक हो सकता है।

ऐसे समय में सबसे बड़ी आवश्यकता संयम और संवाद की है। क्षेत्र पहले ही सीरिया, यमन और गाजा जैसे संघर्षों से प्रभावित है। एक और बड़े युद्ध की संभावना पूरे क्षेत्र को दीर्घकालिक अस्थिरता की ओर धकेल सकती है।

इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से जारी छद्म युद्ध यदि भड़कता है, तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया ही नहीं बल्कि वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर भी गहरा पड़ेगा। कूटनीतिक प्रयासों और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के जरिए ही इस संभावित संकट को टाला जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था भी हो सकती है प्रभावित

आज की परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में किसी एक क्षेत्र में पैदा हुआ संकट केवल स्थानीय नहीं रहता, बल्कि उसका असर अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था तक फैल जाता है। वैश्विक राजनीति, व्यापार और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बढ़ते तनाव के बीच यह आशंका और भी प्रबल हो गई है कि यदि बड़े देशों के बीच टकराव या आर्थिक प्रतिबंधों की स्थिति बनती है तो उसका प्रभाव पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता और सुरक्षा ढांचे पर पड़ सकता है।

हाल के वर्षों में विश्व ने कई उदाहरण देखे हैं। जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा, खाद्यान्न और आपूर्ति श्रृंखला को गंभीर रूप से प्रभावित किया। यूरोप में गैस संकट गहराया और दुनिया भर में महंगाई बढ़ी। इसी तरह पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने तेल की कीमतों को अस्थिर बना दिया, जिससे विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ा।

वैश्विक अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा अब आपूर्ति श्रृंखलाओं और तकनीकी सहयोग पर निर्भर है। यदि बड़े देशों के बीच व्यापारिक प्रतिबंध या आर्थिक प्रतिस्पर्धा तेज होती है, जैसा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच देखने को मिलता है, तो इसका असर पूरी दुनिया के बाजारों पर पड़ता है। चिप निर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी वैश्विक आर्थिक संतुलन को प्रभावित कर सकती है।

इसके साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था भी प्रभावित होती है। जब देशों के बीच अविश्वास बढ़ता है तो सैन्य खर्च बढने लगता है और कूटनीतिक संवाद कमजोर पड़ जाता है। कई देश अपने-अपने सैन्य गठबंधनों को मजबूत करने लगते हैं, जिससे वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव आता है। यह स्थिति लंबे समय में शांति और स्थिरता के लिए चुनौती बन सकती है।

ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और बहुपक्षीय संवाद की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। संयुक्त प्रयासों से ही आर्थिक स्थिरता बनाए रखी जा सकती है और सुरक्षा संबंधी तनाव को कम किया जा सकता है। दुनिया के बड़े देशों को यह समझना होगा कि प्रतिस्पर्धा के बावजूद सहयोग ही स्थायी विकास और वैश्विक शांति का आधार बन सकता है।

स्पष्ट है कि यदि वैश्विक तनाव बढ़ता है तो उसका प्रभाव केवल राजनीतिक या सैन्य क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था दोनों पर दूरगामी असर पड़ सकता है। इसलिए संतुलित कूटनीति, आर्थिक सहयोग और पारदर्शी संवाद ही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

नया बीज बिल- 2026: किसानों के हक और बीज की क्वालिटी के लिए नई दिशा

सुनील कुमार महला

भारत दुनिया के खेती-बाड़ी वाले देशों में से एक है। यह कहना गलत नहीं होगा कि देश की एक बड़ी आबादी अभी भी सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से खेती पर निर्भर है। अनुकूल मौसम, उपजाऊ मिट्टी और अलग-अलग भौगोलिक हालात कई तरह की फसलों की खेती के लिए सही हैं। गेहूं, चावल, गन्ना, दालें, तिलहन, कपास और मसाले जैसी फसलें न सिर्फ देश की खाने की जरूरतों को पूरा करती हैं, बल्कि एक्सपोर्ट के जरिए विदेशी मुद्रा कमाने में भी अहम भूमिका निभाती हैं। खेती-बाड़ी का सेक्टर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और लाखों लोगों को रोजगार देता है। इसके अलावा, पशुपालन, डेयरी फार्मिंग, मछली पालन और बागवानी जैसे सहायक सेक्टर किसानों की इनकम बढ़ाने में मददगार साबित हो रहे हैं। समय-समय पर लागू की गई सरकारी योजनाएं और मॉडर्न टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल खेती को ज्यादा प्रोडक्टिव, फायदेमंद और टिकाऊ बनाने में मदद कर रहा है। इस तरह, खेती न सिर्फ रोजी-रोटी का जरिया है, बल्कि भारत के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक ताने-बाने का एक अहम हिस्सा भी है।

इस संदर्भ में, भारत सरकार एक नया सीड्स बिल, 2026 लाने की तैयारी कर रही है, जिसका मकसद एग्रीकल्चर सेक्टर में बड़े सुधार लाना है। यह पुराने सीड्स एक्ट, 1966 की जगह लेगा। अभी, सीड इंडस्ट्री में टेक्नोलॉजी में तरक्की और मल्टीनेशनल कंपनियों के बढ़ते असर की वजह से, पुराना कानून काफी नहीं माना जा रहा है। सरकार का मकसद किसानों को मजबूत कानूनी सुरक्षा देना, सीड मार्केट में ट्रांसपेरेंसी लाना और कॉर्पोरेट कंपनियों की मनमानी पर असरदार कंट्रोल करना है। कृषि मंत्रालय ने किसान संगठनों, सीड इंडस्ट्री और दूसरे स्टेकहोल्डर्स से इनपुट लेने के बाद इस बिल का ड्राफ्ट तैयार किया है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद, इसे पार्लियामेंट के मौजूदा सेशन में पेश करने और जल्द से जल्द पास करने का प्लान है।

नए कानून का बैकग्राउंड 2015-16 के बीटी कॉटन विवाद से जुड़ा है। जैसा कि पाठक जानते हैं, रॉयल्टी को लेकर अमेरिकी कंपनी मोनसेंटो और भारतीय सीड कंपनियों के बीच एक गंभीर विवाद खड़ा हो गया था। मोनसेंटो अपनी टेक्नोलॉजी के लिए बहुत ज्यादा रॉयल्टी ले रही थी, जिससे सीड की कीमतें बढ़ गईं और किसानों पर एक्स्ट्रा फाइनेंशियल बोझ पड़ा। भारत सरकार ने बीटी कॉटन के बीजों के लिए एक सीलिंग प्राइस और रॉयल्टी में कमी का ऑर्डर दिया। कंपनी ने इस फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चैलेंज किया, और मामला सुप्रीम कोर्ट चला गया। इस कानूनी लड़ाई से पता चला कि पुराना कानून मल्टीनेशनल कंपनियों की पावर को कंट्रोल करने और बीज की कीमतों और क्वालिटी पर सरकार के अधिकार को साफ करने में कमजोर था। असल में, इसी स्थिति ने नए सीड्स बिल का आधार बनाया।

प्रस्तावित सीड्स बिल 2026 सभी बीजों का सरकारी रजिस्ट्रेशन जरूरी बनाता है, और बिना सरकारी मंजूरी के कोई भी बीज बाजार में नहीं बेचा जाएगा। पुराने कानून के तहत, कंपनियां अपने बीजों को असली लेबल वाली कैटेगरी में बिना किसी सख्त रजिस्ट्रेशन जरूरत के बेच सकती थीं, लेकिन अब यह तरीका खत्म कर दिया जाएगा। नया कानून बीजों के लिए साफ क्वालिटी स्टैंडर्ड तय करेगा। अगर कोई बीज खराब निकलता है और फसलों को नुकसान पहुंचाता है, तो संबंधित कंपनी को किसानों को हजार्ना देना होगा। यह कहना सही होगा कि इससे किसानों को सीधे कानूनी अधिकार मिलेंगे।

इसके अलावा, बिल में एक डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम और एक नेशनल सीड रजिस्टर का भी प्रावधान है। इससे यह पक्का होगा कि हर बीज की वैरायटी, बनाने वाले और मालिक की जानकारी सरकारी रिकॉर्ड में सुरक्षित रहे। इससे नकली और घटिया बीजों की बिक्री रुकेगी और बीज की चोरी और गुमराह करने वाले दावों पर कंट्रोल होगा। बिना रजिस्टर्ड बीज बेचने, क्वालिटी स्टैंडर्ड का उल्लंघन करने या गलत जानकारी देने वाली कंपनियों के लिए सख्त सजा और भारी जुमार्ने का भी प्रावधान किया गया है। बीज की कीमत और क्वालिटी कंट्रोल में सरकार की भूमिका को और मजबूत और साफ किया जाएगा, जिससे बड़ी कंपनियाँ मनमानी रॉयल्टी या बहुत ज्यादा कीमत वसूल नहीं कर पाएँगी।

असल में, सरकार ने यह भी साफ किया है कि किसानों को पारंपरिक बीजों के लिए बिना किसी रजिस्ट्रेशन की जरूरत के अपने बीज बदलने और बेचने की आजादी बनी रहेगी। कुल मिलाकर, नया सीड्स बिल 2026 एक जरूरी और बड़ा कानूनी सुधार है जो किसानों को मुआवजा, बीज बाजार में ट्रांसपेरेंसी, क्वालिटी एश्योरेंस और कॉर्पोरेट कंट्रोल पर रोक का अधिकार पक्का करता है।

अच्छी खबर यह है कि नकली बीजों की वजह से पैसे का नुकसान और मानसिक तनाव झेल रहे किसानों को राहत देने के लिए कानूनी नियमों को मजबूत किया जा रहा है। ध्यान देने वाली बात यह है कि प्रस्तावित बिल में नकली बीज बेचने पर 30 लाख रुपये तक का जुमार्ना और तीन साल तक की जेल का प्रावधान है। इसके अलावा, सरकार बीजों की कीमत और क्वालिटी को रेगुलेट करेगी, जिससे कंपनियां किसानों से मनमानी कीमतें नहीं वसूल पाएंगी।

नकली बीजों के साथ-साथ नकली खाद की समस्या भी लंबे समय से है। बीज बनाने वालों की तरफ से दिए जाने वाले बीजों की क्वालिटी खराब होने से यह समस्या और बढ़ गई है। मौजूद डेटा के मुताबिक, पिछले पांच सालों में देश में 250,000 से ज्यादा किसान नकली बीजों की वजह से परेशान हुए हैं। फसल खराब होने से मेंटल स्ट्रेस बढ़ा है और सुसाइड की खबरें भी आई हैं। असल में, एक साल में फसल खराब होने का खामियाजा किसानों को अगले चार से पांच साल तक भुगतना पड़ता है। कर्ज का बोझ भी बढ़ जाता है। देश में शायद ही कोई ऐसा इलाका हो जहां नकली खाद और बीजों का धंधा न हो।

जैसा कि एक जाने-माने हिंदी अखबार ने लिखा, सरकार ने लोकसभा में माना है कि साल 2024-25 में टेस्ट किए गए 2.5 लाख सैंपल में से 32,525 बीज नकली पाए गए। मार्केट में कितनी बड़ी मात्रा में नकली खाद और बीज पहुंच रहे हैं, इसका सही डेटा मौजूद नहीं है। किसानों को तब पता चलता है जब उनकी फसल बर्बाद हो जाती है। हिंदी अखबार यह भी साफ-साफ कहता है, चाहे महाराष्ट्र में नकली कपास के बीजों से प्रभावित किसानों का मामला हो या आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान और मध्य प्रदेश में छापे के दौरान जब्त किए गए नकली खाद और बीजों का मामला हो-कमजोर कानून व्यवस्था हर जगह दोषियों को बचा रही है। हर साल हजारों परिवार इस समस्या से प्रभावित होते हैं, क्योंकि फसल खराब होने से कर्ज बढ़ जाता है और परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद हो जाते हैं।

यह भी चिंता की बात है कि हाल के सालों में छापे कम हुए हैं, और दोषियों को सजा भी काफी कम मिली है। असरदार मॉनिटरिंग की कमी के कारण, संबंधित एजेंसियां अक्सर लापरवाही के लिए किसानों को ही दोषी ठहराती हैं। यह बात कि नकली बीजों के बारे में सिर्फ एक-तिहाई शिकायतों पर ही कार्रवाई हुई है, इस स्थिति का सबूत है।

आखिरकार, बुनियादी सवाल किसानों की सुरक्षा और भरोसे का है। सिर्फ कानून बनाना काफी नहीं है, उन्हें सख्ती से लागू करना भी जरूरी है। किसानों का भरोसा तभी वापस लाया जा सकता है जब एक पारदर्शी जांच सिस्टम, तुरंत मुआवजा देने का सिस्टम और दोषियों के खिलाफ समय पर कार्रवाई हो। नहीं तो, एग्रीकल्चर सेक्टर और किसानों के सामने जो संकट है, उसे हल करना मुश्किल होगा।

होली: आध्यात्मिक चेतना एवं वैज्ञानिक दृष्टि का सांस्कृतिक उत्सव

होली केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन की सजीव अभिव्यक्ति है। यह वह पर्व है जो मनुष्य को उसके भीतर झाँकने का अवसर देता है और याद दिलाता है कि जीवन का वास्तविक सौंदर्य बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि अंतःकरण की निर्मलता में निहित है। समय के प्रवाह में होली के स्वरूप में अनेक परिवर्तन आए हैं। कहीं यह उत्सव उल्लास का माध्यम बना, तो कहीं उच्छृंखलता का पर्याय भी दिखाई देने लगा। छेड़खानी, मादक पदार्थों का सेवन, मारपीट और मयार्दा का उल्लंघन जैसी प्रवृत्तियां इस पावन पर्व की आत्मा के विपरीत हैं। वस्तुतः सही अर्थों में होली का अर्थ शालीनता का अतिक्रमण नहीं, बल्कि आंतरिक विकारों का दहन और संबंधों का पुनर्जीवन है। आवश्यकता इस बात की है कि हम होली के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आयामों को समझें और समसामयिक संदर्भों में उसे एक नई गरिमा और जीवंतता प्रदान करें।

होली का मूल प्रेरक प्रसंग प्रह्लाद और होलिका की कथा से जुड़ा है। यह कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि गहन प्रतीकात्मक संदेश है। प्रह्लाद अटूट श्रद्धा और सत्यनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि होलिका अहंकार और दुराग्रह का प्रतिनिधित्व करती है। होलिका-दहन हमें यह सिखाता है कि अंततः विजय सत्य की होती है और अहंकार की ज्वाला स्वयं को ही भस्म कर देती है। जब हम होलिका की अग्नि प्रज्वलित करते हैं, तो उसका वास्तविक अर्थ बाहरी लकड़ियों को जलाना नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और अहं को दग्ध करना है। यदि यह आंतरिक शुद्धि नहीं हुई, तो होली केवल एक सामाजिक आयोजन बनकर रह जाएगी। रंगों का आध्यात्मिक अर्थ भी अत्यंत गहरा है। भारतीय संस्कृति में प्रत्येक रंग का अपना भाव है। लाल ऊर्जा और प्रेम का प्रतीक है, पीला ज्ञान और पवित्रता का, हरा जीवन और समृद्धि का, नीला अनंत आकाश और व्यापक चेतना का। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो मानो यह घोषणा करते हैं कि हम भेदभाव की सीमाएँ मिटाकर एकात्मता का अनुभव करेंगे। रंग हमें सिखाते हैं कि विविधता ही जीवन का सौंदर्य है। अलग-अलग रंग मिलकर ही इंद्रधनुष बनाते हैं; उसी प्रकार विभिन्न समुदायों, विचारों और संस्कृतियों का समन्वय ही समाज को समृद्ध बनाता है। यही होली का सांस्कृतिक संदेश है-विविधता में एकता।

वैज्ञानिक दृष्टि से भी होली का विशेष महत्व है। यह पर्व फाल्गुन पूर्णिमा को आता है, जब शीत ऋतु का समापन और ग्रीष्म ऋतु का आरंभ होता है। यह संक्रमण काल शरीर की प्रतिरोधक क्षमता के लिए संवेदनशील समय होता है। परंपरागत रूप से होलिका-दहन की अग्नि के समीप बैठना और उसकी ऊष्मा ग्रहण करना स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी माना गया। प्राचीन काल में टेसू के फूलों, चंदन, हल्दी और प्राकृतिक गुलाल से बने रंगों का प्रयोग किया जाता था, जिनमें औषधीय गुण होते थे। वे त्वचा को लाभ पहुँचाते थे और संक्रमण से भी रक्षा करते थे। आज रासायनिक रंगों के दुष्प्रभावों ने इस परंपरा को चुनौती दी है। अतः आवश्यक है कि हम प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल रंगों की ओर लौटें। विकसित भारत की संकल्पना में स्वच्छता, हरित जीवनशैली और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का जो आग्रह है, वह होली के पारंपरिक स्वरूप से पूर्णतः सामंजस्य रखता है। सांस्कृतिक दृष्टि से होली भारतीय समाज की सामूहिक चेतना का उत्सव है। यह वह अवसर है जब सामाजिक भेदभाव की दीवारें कमजोर पड़ती हैं और अपनत्व का रंग गहरा होता है। गाँवों में फाग-गीतों की गूंज, चौपालों पर हास-परिहास, नगरों में सांस्कृतिक आयोजन-ये सब सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं। होली का एक स्वरूप वह भी है, जब लोग पुराने मनमुटाव भुलाकर गले मिलते हैं और संबंधों को नया आयाम देते हैं। यह पर्व संवाद और समरसता का सेतु बन सकता है, बशर्ते हम इसकी मूल भावना को समझें।

आज के वैश्वीकरण के युग में नई पीढ़ी आधुनिकता को प्रगति का पर्याय मानती है। आधुनिकता स्वागतयोग्य है, किंतु यदि वह मूल्य-विस्मृति का कारण बन जाए, तो समाज का संतुलन बिगड़ सकता है। ह्लबुरा न मानो होली हैह्व का अर्थ किसी की गरिमा को ठेस पहुँचाना नहीं, बल्कि हँसी-खुशी के साथ आत्मीयता बाँटना है। महिलाओं के सम्मान, सार्वजनिक मयार्दा और सामाजिक उत्तरदायित्व का ध्यान रखते हुए होली मनाना ही सच्ची भारतीयता है। यदि उत्सव के नाम पर उच्छृंखलता बढ़े, तो वह हमारे सांस्कृतिक आत्मसम्मान के विपरीत है। नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि आनंद और अनुशासन एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सांस्कृतिक आत्मविश्वास की नई यात्रा पर अग्रसर है। ह्लनया भारतह्व और ह्लविकसित भारतह्व की परिकल्पना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण से भी जुड़ी है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय परंपराओं, योग, आयुर्वेद और त्योहारों की बढ़ती प्रतिष्ठा इस परिवर्तन का संकेत है। होली जैसे पर्व विश्वभर में भारतीय संस्कृति की पहचान बन रहे हैं। यदि इन्हें शालीनता, पर्यावरण-संवेदनशीलता और आध्यात्मिक चेतना के साथ प्रस्तुत किया जाए, तो यह भारत की सॉफ्ट पावर को और सुदृढ़ कर सकते हैं। यह समय है जब हम अपने त्योहारों को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखकर उन्हें सांस्कृतिक कूटनीति और सामाजिक जागरण का माध्यम बनाएं।

नई विश्व-व्यवस्था में जहाँ तकनीकी प्रगति के साथ मानसिक तनाव और सामाजिक दूरी भी बढ़ रही है, वहाँ होली जैसे उत्सव मानवीय संबंधों को पुनर्स्थापित करने का अवसर देते हैं। डिजिटल युग में लोग आभासी संवाद में अधिक और प्रत्यक्ष संवाद में कम समय दे रहे हैं। होली हमें प्रत्यक्ष मिलन, स्नेह-स्पर्श और सामूहिक उल्लास की अनुभूति कराती है। यह सामाजिक एकाकीपन को दूर करने का भी माध्यम बन सकती है। यदि हम इस अवसर पर समाज के वंचित वर्गों, वृद्धजनों और जरूरतमंदों के साथ रंग साझा करें, तो यह उत्सव करुणा और सेवा की भावना को भी सशक्त करेगा। आवश्यकता है कि होली को नशामुक्त, पर्यावरण-अनुकूल और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाने का सामूहिक संकल्प लिया जाए। विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से होली के मूल संदेश को प्रचारित किया जा सकता है। फाग-गीत, लोकनृत्य, कवि-सम्मेलन और सामूहिक प्रार्थना जैसे आयोजनों से इस पर्व को नई दिशा दी जा सकती है। जब होली केवल रंगों तक सीमित न रहकर विचारों का उत्सव बनेगी, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होगा।

निश्चित तौर पर होली हमें यह सिखाती है कि बाहरी रंग क्षणिक हैं, किंतु आंतरिक प्रेम और सद्भाव शाश्वत हैं। यदि हम अपने भीतर के अहंकार को जला दें और हृदय में करुणा का रंग भर दें, तो हर दिन होली बन सकता है। विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा जब आर्थिक उन्नति के साथ सांस्कृतिक चेतना भी समानांतर चले। आइए, इस होली पर हम यह संकल्प लें कि मयार्दा का उल्लंघन नहीं, मयार्दा का उत्सव मनाएँगे; विभाजन नहीं, विश्वास का रंग फैलाएँगे; और उच्छृंखलता नहीं, उत्साह और सद्भाव का संदेश देंगे। जब होली का रंग हमारे चरित्र और आचरण में उतर जाएगा, तभी यह पर्व वास्तव में सार्थक और प्रेरणादायी बन सकेगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमरोहा
सोमवार 02 मार्च 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

इरकान अली के आवास पर आयोजित की गई रोजा इफ्तार पार्टी

गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल बना कार्यक्रम

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में युवा राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष इरकान अली के आवास, ढवारसी पर शनिवार को आयोजित रोजा इफ्तार कार्यक्रम सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और एकता का एक ऐतिहासिक उदाहरण बनकर सामने आया। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष खालिद मसूद तथा युवा राष्ट्रीय लोकदल उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र सिंह पटेल सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता एवं गणमान्य व्यक्ति गरिमामयी रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष इरकान अली द्वारा दोनों मुख्य अतिथियों खालिद मसूद एवं रविंद्र सिंह पटेल को राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी की

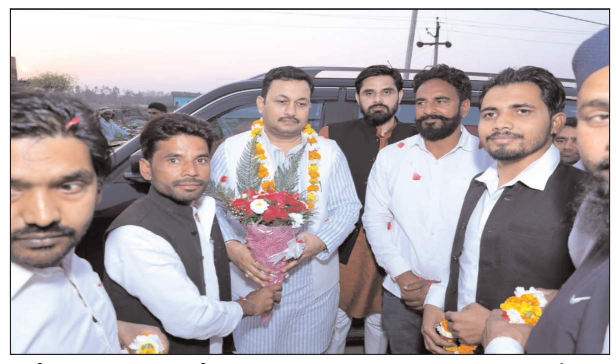

फोटो एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान संगठन के शीर्ष नेतृत्व के प्रति सम्मान, विश्वास एवं संगठनात्मक एकजुटता का प्रतीक रहा। इस अवसर पर सभी धर्मों और वर्गों के लोगों ने एक साथ रोजा इफ्तार कर गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी प्रेम, सौहार्द और सामाजिक एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोकदल की सर्वसमावेशी विचारधारा एवं सामाजिक समरसता के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। इस अवसर पर सरजीत सिंह (पूर्व जज), रामबीर सिंह, सचिन चौधरी, योगेंद्र सिंह, दिलशाद अली, रिजवान एदी, संजय सिंह, शीशराम सिंह, चंद्रपाल सैनी, आकिल अहमद, आरिफ प्रधान सहित हजारों की संख्या में गणमान्य नागरिक, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता पर जिलाध्यक्ष इरकान अली ने सभी सम्मानित अतिथियों, वरिष्ठ नेताओं, कार्यकताओं एवं क्षेत्रवासियों का तहे दिल से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी भाईचारे, प्रेम और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने का कार्य करते हैं तथा राष्ट्रीय लोकदल सदैव समाज को जोड़ने और संविधानिक मूल्यों को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जनपद में चलाया गया यातायात अभियान काटे 135 चालान

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश पर शनिवार को जनपद में विशेष यातायात अभियान चलाया गया। प्रभारी यातायात की टीम ने गजरौला चौपला, जोया पुल, अतरासी तिराहा, टीपीनगर तिराहा, शाहविलायत और लकड़ा चौराहा समेत भीड़ वाले बाजारों और चौराहों से अवैध अतिक्रमण हटवाकर मार्ग सुगम किए। साथ ही एमवी एक्ट के तहत सघन चेकिंग हुई। बिना हेलमेट-मोटरसाइकिल, बिना सीट-बेल्ट की कारें, नो-पार्किंग में खड़े वाहन, बीमा-लाइसेंस रहित वाहन और शराब पीकर चलाने वाले चालकों पर ब्रीथ एनालाइजर से कार्रवाई की गई। कारों की अवैध ब्लैक फिल्म उतारी गई। इस दौरान कुल 135 वाहनों के चालान काटे गए। पुलिस ने लोगों से यातायात नियमों के पालन की अपील करते हुए कहा कि नियम मानना ही सुरक्षित जीवन की गारंटी है।

कृषक जनसेवा केन्द्र के माध्यम से कृषि यन्त्रों की बुकिंग करे ऑनलाइन आवेदन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के तहसील क्षेत्र के ग्राम शेखुपुर झकडी में शनिवार को सुरेंद्रदास के आवास पर राष्ट्र सेवी संगठन के तत्वावधान में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों और भारी संख्या में ग्रामीणों ने शिरकत की। समारोह का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना और भारतीय संस्कृति के मूल मूल्यों को पुनर्जीवित करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में होली के पौराणिक और आध्यात्मिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है,

बल्कि यह अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। कृष्ण कुमार शर्मा ने हिरण्यकश्यप, भक्त प्रह्लाद और होलिका की कथा सुनाते हुए कहा कि किस प्रकार अहंकार और बुराई की प्रतीक होलिका अग्नि में जलकर भस्म हो गई, जबकि ईश्वर पर अटूट विश्वास रखने वाले प्रह्लाद सुरक्षित रहे। उन्होंने जोर दिया कि हमें अपने भीतर की बुराइयों को जलाकर प्रेम के रंग अपनाने चाहिए। नशा मुक्ति का सामूहिक संकल्प समारोह का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव नशा मुक्ति अभियान रहा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उपस्थित युवाओं और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि त्योहारों की पवित्रता नशे के कारण भंग हो रही है। उन्होंने समाज से अपील की कि वे नशे जैसी कुरीतियों को त्यागकर स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में योगदान दें। इस अवसर पर संगठन के सदस्यों और ग्रामीणों ने हाथ उठाकर संकल्प लिया कि वे न केवल स्वयं नशा छोड़ेंगे, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। कार्यक्रम के अंत में फूलों की होली खेली गई और सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामजीमल और संचालन उमेश सैन ने किया। इसके अलावा मुकेश शर्मा, होमपाल सिंह, करन सिंह , रोहताश सिंह, राकेश, चंद्रपाल, कैलाश, डालचंद, हरपाल सिंह, संजय आदि मौजूद रहे।

विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी का अंबेडकर जन्मोत्सव समिति ने किया भव्य स्वागत, होली की दी शुभकामनाएं

जयंती अध्यक्ष दिनेश गौतम ने किया अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति का विस्तार

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति, हसनपुर के पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी के आवास पर पहुँचकर उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने विधायक जी को पुष्पगुच्छ भेंट किए और आगामी होली के पावन पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उसके उपरांत डॉ भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति हसनपुर के नवनियुक्त अध्यक्ष दिनेश गौतम ने सर्वसम्मति से अपनी कमेटी का विस्तार किया। मुलाकात के दौरान समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष दिनेश गौतम ने आगामी अंबेडकर जयंती की तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, "इस

वर्ष जयंती आयोजन की जिम्मेदारी युवा होने के नाते मेरे कंधों पर है। हम सभी के सहयोग से इस वर्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती को ऐतिहासिक और अत्यंत धूमधाम के साथ मनाएंगे।"उन्होंने आगे जानकारी दी कि नगर में निकलने वाली भव्य शोभायात्रा और मुख्य मंच कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। विधायक जी ने समिति के इस उत्साह की सराहना की और आयोजन में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस बार जयंती के अवसर पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामाजिक संदेश देने वाली झांकियों का आयोजन किया जाएगा। युवाओं की सक्रिय भागीदारी के चलते इस बार के आयोजन को आधुनिक और भव्य रूप देने की योजना बनाई गई है। विधायक खड़गवंशी ने समिति के सदस्यों से सामाजिक सद्भाव को प्राथमिकता देते हुए कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया।

स्वागत कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल संयोजक रामवीर सिंह,महामंत्री जगवीर सिंह मौर्य

उपाध्यक्ष अरविंद कुमार अन्ना मुकेश जाटव,कविता रानी, पवनराज जाटव, अंकुर सेठी, लवी सागर, दिनेश सिंह, भोला जाटव, प्रिंस कुमार गौतम, कामिल सैफी, पवन कुमार एडवोकेट, गुड्डू, सचिन कुमार और ओमप्रकाश सिंह आदि मौजूद रहे।

होली पर अमरोहा में भारी वाहनों के लिए रूट डायबर्ट

अमरोहा (सब का सपना):- होली के मौके पर शहर में यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए प्रशासन ने 3 मार्च से 4 मार्च तक भारी एवं मालवाहक वाहनों के लिए रूट डायवर्जन योजना जारी की है। जिसमें बताया गया कि अमरोहा से मुरादाबाद जाने वाले वाहन नन्दन स्वीट्स से होते हुए कैलसा बाईपास पाकवाडा मार्ग अपनाएँगे। नौगावां से अमरोहा-मुरादाबाद के लिए यहियापुर बाईपास तय किया गया है। नौगावां से दिल्ली जाने वाले वाहन रज्जाकपुर व धनौरा बाईपास होते हुए अतरासी चौकी हाईवे से गुजरेंगे। शहर के भीतर से जोया/ मुरादाबाद/ दिल्ली हाईवे की ओर जाने वाले वाहन काकरसराय बम्बूगढ होकर निकाले जाएँगे। इसके अलावा, टीपी नगर से अतरासी तिराहा तक अमरोहा-नौगावां मार्ग पर ई-रिक्शा और ऑटो का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। बाजार में भीड़ को देखते हुए छोटे चार-पहिया वाहनों को भी आवश्यकतानुसार डायवर्ट किया जाएगा। प्रशासन ने सभी ट्रांसपोर्टर्स से अपील की है कि वे शहर के बाहरी मार्गों का प्रयोग कर यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दें।

समन्वित प्रयासों से बढ़ेगी पशुओं की उत्पादकता:- राजीव तरारा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- बदलते मौसम के कारण पशुओं में बढ़ती बीमारियों तथा बाँझपन की समस्या के समाधान हेतु सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ एवं पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड के वित्तीय सहयोग से जनपद अमरोहा के ग्राम शिशोवाली में निःशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर एवं कृषि गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। मार्गदर्शन कृषि विवि के कुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ह्लप्रत्येक शनिवार पशुपालक के द्वारह्व पहल के अंतर्गत विशेषज्ञों की टीम हर शनिवार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न गांवों में पहुंचकर पशुपालकों को अत्याधुनिक पशुचिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करा रही है। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं विधायक राजीव तरारा ने फीता काटकर किया। अपने संबोधन में उन्होंने विश्वविद्यालय और पशुपालन विभाग की पहल की सराहना करते हुए कहा कि सरकार और वैज्ञानिक संस्थानों के समन्वित प्रयासों से आधुनिक तकनीक अब गांव-गांव तक पहुंच रही है, जिससे किसान वैज्ञानिक पद्धतियां अपनाकर पशुओं की उत्पादकता बढ़ा सकते हैं। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आभा दत्त ने किसानों से कहा कि विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर खुरपका-मुंहपका टीकाकरण कर रही हैं, अतः सभी पशुपालक अपने पशुओं का समय पर टीकाकरण कराएं तथा अपने पशु के कान में ई लगवा कर भारत पशुधन स्त्रस्त्र पर अपना और अपने पशुओं का पंजीकरण अवश्य कराए फसल रोग प्रबंधन पर जानकारी देते हुए प्रोफेसर रमेश सिंह ने बताया कि गन्ने की बुआई से पूर्व बीज उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा अथवा कार्बेन्डाजिम तथा भूमि उपचार के लिए क्लोरोपायरीफॉस के संतुलित उपयोग की सलाह दी। गोष्ठी के दौरान परियोजना प्रभारी डॉ. अमित वर्मा, डॉ. प्रेम सागर मौर्य, डॉ. विकास सचान, डॉ. अरबिंद सिंह, डॉ. अजीत कुमार सिंह, डॉ. दीपाक्षी एवं डॉ. भागेश सिंह ने 125 से अधिक पशुओं की अल्ट्रासाउंड मशीन, माइक्रोस्कोपी एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से पशुओं की विस्तृत जांच की। शिविर में गर्भ परीक्षण, प्रजनन संबंधी समस्याओं का निदान, परजीवी जांच तथा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर के सफल आयोजन में पशु चिकित्साधिकारी डॉ. भागेश सिंह का विशेष योगदान रहा।

परिवहन विभाग के ए आर टी ओ का मानवीय चेहरा जनहित में बड़ी कार्यवाही

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में होली पर्व के अवसर पर सड़क सुरक्षा और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए सख्त प्रवर्तन कार्यवाही की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दिए गए आदेशों तथा जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देशों के अनुपालन में यह अभियान चलाया गया।एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा ने अपनी टीम के साथ एनएच-9 पर हाईवे पर उतरकर ओवरलोड यात्री वाहनों और माल वाहनों में अवैध रूप से सवारियां बैठाकर चलाए जा रहे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। चेकिंग के दौरान यात्री वाहनों में सवारियों की संख्या जांच की गई। इस अभियान में कुल 6 बसों सहित 16 यात्री वाहनों को ओवरलोडिंग के आरोप में सीज किया गया या चालान काटा गया। इसके अलावा माल वाहनों में सवारियां बैठाने के 12 मामलों में भी सख्त कार्रवाई की गई।कार्रवाई के दौरान प्रभावित यात्रियों की मदद के लिए एआरएम रोडवेज की सहायता ली गई। उन्हें सुरक्षित रूप से रोडवेज बसों में बैठाकर उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया। यात्रियों से कोई अतिरिक्त किराया नहीं वसूला गया, बल्कि निजी बसों के कंडक्टरों से रोडवेज को निर्धारित किराया दिलाया गया। वाहनों को बड़ी सावधानी से रोका गया ताकि किसी को असुविधा न हो।इसके अतिरिक्त सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों सहित कुल 52 वाहनों के खिलाफ चालान जारी किए गए। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान होली के दौरान और उसके बाद भी जारी रहेगा, ताकि सड़कों पर दुर्घटनाओं को रोका जा सके और यात्रा सुरक्षित बनी रहे।

होली पर कानून-व्यवस्था को लेकर हसनपुर में चौकीदारों-डीजे संचालकों को दिए निर्देश

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- होली को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में जनपद भर में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में थाना हसनपुर के प्रभारी निरीक्षक ने ग्राम चौकीदारों और डीजे संचालकों के साथ बैठक कर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए। चौकीदारों से कहा गया कि वे अपने गांवों में सतर्क दृष्टि रखें, असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखें और किसी भी संदिग्ध सूचना की तत्काल जानकारी थाने को दें। डीजे संचालकों को समय-सीमा, ध्वनि प्रदूषण मानकों और भड़काऊ-अश्लील गीतों पर पूर्ण प्रतिबंध के निर्देश दिए गए। नियम उल्लंघन पर विधिक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि होली भाईचारे, शांति और सद्भाव के साथ मनाएं तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

प्रबन्ध समिति के चुनाव में र्निविरोध अध्यक्ष बने अनिल स्वरूप टण्डन

अमरोहा (सब का सपना):- टी.जी.सी. हिन्दू स्कूल एवं जे०एस०हिन्दू इण्टर कॉलेज अमरोहा की प्रबन्ध समिति का चुनाव र्निविरोध एवं र्निविवाद सम्पन्न हुआ। अनिल स्वरूप टण्डन अध्यक्ष, पंकज कुमार गुप्ता प्रबन्धक तथा मधु बाहेती कोषाध्यक्ष चुनी गई। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 08:00 बजे से 10:00 बजे तक नामांकन फार्म देने के समय कुल 14 नामांकन फार्म लिये गये। 10:00 बजे से 11:00 बजे तक 14 नामांकन पत्र चुनाव आधिकारी खुर्शीद हैदर जैदी को प्राप्त कराये गये, जिसमें अध्यक्ष पद तथा कोषाध्यक्ष पद हेतु 2-2 नामांकन पत्र प्राप्त कराये गये। शेष पदों उपाध्यक्ष, उपमंत्री, प्रबन्धक तथा सात सदस्य पदों हेतु एक-एक नामांकन पत्र प्राप्त हुये। नामांकन पत्रों की जांचोपरान्त 2 नामांकन अध्यक्ष

पद पर प्रतुल शर्मा तथा कोषाध्यक्ष पद पर सुधीर कुमार भल्ला ने अपने-2 नामांकन पत्र वापस ले लिये। नाम वापसी उपरान्त सभी पदों पर एक-एक प्रत्याशी ही शेष बचे। जिनमें अध्यक्ष पद हेतु अनिल स्वरूप टण्डन, उपाध्यक्ष पद हेतु लीलाधर अरोड़ा, प्रबन्धक पद हेतु पंकज कुमार गुप्ता, उपप्रबन्धक पद हेतु सलिल नाथ , कोषाध्यक्ष पद हेतु मधु बाहेती तथा सदस्य पद हेतु विमल कुमार टण्डन, योगेश जैन, मुदित माथुर, अनिल माथुर, आशीष भालवर, रमेश चांदना, इन्द्रेश गुप्ता के नामांकन शेष रहे। तथा सभी र्निविरोध चुने गये। प्रबन्ध समिति का चुनाव, चुनाव अधिकारी खुर्शीद हैदर जैदी, जिला विधालय निरीक्षक द्वारा नियुक्त चुनाव पर्यवेक्षक डॉ० धर्म सिंह, प्रधानाचार्य की देख रेख में सम्पन्न हुआ। किसी पद पर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। पूरी प्रक्रिया के तहत पुलिस बल तैनात रहा। इस अवसर पर शिव स्वरूप टण्डन , दिवेश बाहेती, सुधीर कुमार भल्ला, राज नाथ गोयल , विनय आर्य,सौरभ गुप्ता, संजय मालीवाल, गिरीश अग्रवाल, संजीव माहेश्वरी, विवेक नारायन, डॉ० हिमांशु, अजय गर्ग, मंजू टण्डन, सीमा भल्ला, अंशु गर्ग, महावीर सिंह, प्रतुल कुमार, गनेश खन्ना, राजेश कुमार राजपूत, महेश चन्द मालीवाल, दीपक स्वरूप टण्डन, रवि मेहरोत्रा, अतुल कुमार शर्मा,राजेश कुमार आदि उपस्थित थे। प्रधानाचार्य डॉ० जी०पी०सिंह नें पूरी टीम को बधाई दी।

sab ka sapna 02 March 2026:Layout 1 01-03-2026 20:56 Page 4

होली पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने को पीस कमेटी के साथ बैठक, जिलाधिकारी व एसपी ने दिए निर्देश

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलैक्ट्रेट सभागार बहजोई में आगामी होलिका दहन व होली पर्व को सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया व पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में पीस कमेटी के सदस्यों, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों व सम्मानित व्यक्तियों के साथ बैठक आयोजित की गई।बैठक में होली कार्यक्रमों, होलिका दहन स्थलों व सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी व एसपी ने सभी से अपील की कि त्योहार आपसी सौहार्द व भाईचारे से मनाएं। निर्देश दिए कि ध्वनि विस्तारक यंत्र शासन मानकों के अनुरूप ही

इस्तेमाल करें, जुलूस निर्धारित रूट से निकालें, नई परंपराएं न शुरू करें, अफवाहों पर ध्यान न दें, सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट न साझा करें। किसी अप्रिय घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दें। पीस कमेटी सदस्यों से अपने क्षेत्रों में शांति बनाए रखने व संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने को कहा गया।कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, विद्युत, जलापूर्ति व स्वच्छता हेतु दिशानिर्देश जारी किए। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात होगा, सतत पेट्रोलिंग रहेगी। कानून बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। संभावित समस्याओं के त्वरित समाधान के उपाय बताए गए।इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, अपर जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में 29 पत्रावलियों का निस्तारण पांच परिवारों का मिलन

बहजोई /संभल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के निर्देश पर पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में संपन्न हुई।नियमित काउंसलिंग परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकमपाल सिंह की देखरेख में आयोजित इस बैठक में पति-पत्नी के बीच आपसी विवादों को काउंसलर्स के सहयोग से सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। कुल 68 पत्रावलियों की सुनवाई के बाद 29 का सफल निस्तारण हुआ। वहीं, 5 परिवारों को आपस में

मिलाया गया।

18 पत्रावलियों पर आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंदी की गई, जबकि 6 पत्रावलियों में विधिक कार्यवाही की संस्तुति की गई।इस अवसर पर काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, बबीता शर्मा, कंचन माहेश्वरी तथा कांस्टेबल शहजाद मलिक, एलएचसी रश्मि गहलोत आदि उपस्थित रहे।

गंगा एक्सप्रेसवे पर ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी: 5 मजदूर घायल, चालक नशे में धुत्त

सम्भल (सब का सपना):- मुरादाबाद जिले के ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र के नाखूनका गांव के पांच मजदूर आगरा के कोल्ड स्टोर में काम के लिए जा रहे थे। रात करीब 2:30 बजे बहजोई थाना क्षेत्र के लहरावन के पास गंगा एक्सप्रेसवे के फोरलेन पर ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित हो गई। ट्रैक्टर डिवाइडर पर चढ़ गया, जिससे ट्रॉली पलट गईआबिद पुत्र कलुआ (55 वर्ष) साबिर पुत्र जाहिद (48 वर्ष) - गंभीर, दानिश पुत्र इंतजार (25 वर्ष) -यामीन पुत्र निशार (50 वर्ष) - फहीम पुत्र अहमद हसन (27 वर्ष) एम्बुलेंस से सभी को सीएचसी बहजोई ले

जाया गया। घायल यामीन ने बताया कि ट्रैक्टर चालक शराब के नशे में था, जिससे हादसा हुआ। पुलिस जांच कर रही है और चालक पर कार्रवाई की जा रही है।दूसरा हादसाः खाद से भरे ट्रैक्टर की टक्कर, एक की मौतइसी रात संभल जिले के सुल्तानगढ़ थाना धनारी क्षेत्र के तिर्री गांव के परिवार वाले बराही में समीना को सुसराल छोड़ने जा रहे थे। खजरा छपरा के पास खाद से भरे ट्रैक्टर ने उनकी निजी गाड़ी को टक्कर मार दी।मृतकः शकील पुत्र हफीज (38 वर्ष) - मौके पर मौत। समीना पत्नी मोहम्मद रफीक (27 वर्ष)भूरी पत्नी हफीज (65 वर्ष)रहबर अली पुत्र मुंशी (40 वर्ष)भुरे पुत्र साहब खान ने घायलों को अपनी गाड़ी से सीएचसी बहजोई पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को जिला अस्पताल संभल रेफर किया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सभी सुल्तानगढ़ गांव के निवासी हैं।ये हादसे ग्रामीण इलाकों में ट्रैक्टर चालकों की लापरवाही और नशे में वाहन चलाने की समस्या को उजागर करते हैं। पुलिस द्वारा दोनों मामलों जॉच कर कार्रवाई की जा रही है।

11 वर्षीय जैन अब्दुल्ला ने रखा जीवन का पहला रोजा, अमन-शांति की दुआ की

संभल (सब का सपना):- थाना रायसत्ती क्षेत्र के चमन सराय निवासी मोहम्मद अशरफ के 11 वर्षीय पुत्र जैन अब्दुल्ला ने रविवार को अपना जीवन का पहला रोजा रखा। लगभग 13 घंटे 37 मिनट तक चले इस रोजे के दौरान उन्होंने देश और समाज में अमन व शांति की दुआएं मांगीं।परिवार और क्षेत्रवासियों के लिए यह गर्व का पल साबित हुआ। जैन अब्दुल्लाह ने कहा, रोजा सिर्फ भूख-प्यास सहना नहीं, बल्कि संयम, धैर्य और दूसरों के लिए दुआ करने की प्रेरणा है। सभी मिलजुल कर एक-दूसरे के सुख-दुख में भागीदार बनें।परिवार के सदस्यों मोहम्मद शान, मोहम्मद फैजान, मोहम्मद नईम, कैफ, तफसीर, अकरम, अनवर, मुशर्रफ, अल्तामश, असलम, अरबाज व शहजाद समेत कई लोग मौजूद रहे। उन्होंने जैन को उत्साहित किया और दुआएं दीं

जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को वैज्ञानिक सोच एवं नवाचारपूर्ण चिंतन विकसित करने के लिए किया प्रेरित

अमरोहा (सब का सपना):- पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय बसेड़ा तगा में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस बड़े उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए वैज्ञानिक सोच एवं नवाचारपूर्ण चिंतन विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास पर विशेष जोर दे रहे हैं तथा इसके लिए बजट में पृथक निधि का प्रावधान किया गया है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रसायन विज्ञान के अद्भुत एवं मनोरंजक प्रयोग प्रस्तुत किए। साथ ही विभिन्न कार्यशील मॉडल एवं परियोजनाओं की विज्ञान प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसकी जिलाधिकारी महोदया ने सराहना की। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र पाल सिंह ने जिलाधिकारी का स्वागत किया तथा विद्यालय की प्रगति से मुख्य अतिथि को अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में उप-प्रधानाचार्य श्री सुमित यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की समन्वयक मोनिका श्रीवास्तव (टीजीटी विज्ञान), जनपद समन्वयक मदन पाल सिंह, के प्रधानाचार्य संजीव कुमार प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कालेज गजस्थल, सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण अभियान 'उज्ज्वला' से बना ऊर्जावान

निःशुल्क रसोई गैस सिलेण्डर रिफिल सब्सिडी वितरण

अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1500 करोड की धनराशि से प्रदेश के 1.86 करोड पात्र परिवारों को निःशुल्क रसोई गैस सिलेण्डर रिफिल सब्सिडी का वितरण किया गया। इसी क्रम में बुधवार को अतरासी रोड स्थित एक होटल में प्रधानमंत्री उज्वला योजना के लाभार्थियों को शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लो, विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़गवंशी , जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से चेक एवं गैस सिलेण्डर प्रदान किये गए। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया और मुख्यमंत्री का उद्बोधन सुना गया। शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लो ने कहा कि सरकार द्वारा बिना भेदभाव के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी को दिया जा रहा है। सरकार द्वारा उज्जवला योजना के तहत मिले निःशुल्क सिलेण्डर घर की आवश्यकता पूरी होने के साथ उन्हें बीमारियों से भी बचाकर सुरक्षा प्रदान करेगा। करोड़ों रसोइयों को सुरक्षित बनाने वाली इस योजना के तहत दी जा रही यह अतिरिक्त राहत, होली पर्व की खुशियों को और प्रगाढ़ करते हुए परिवारों की समृद्धि को नई ऊर्जा देगी। हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने होली की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निःशुल्क सिलेण्डर रिफिल देना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रदेश वासियों के लिए होली का तोहफा है। विधायक ने कहा कि सरकार ने पात्रों को निःशुल्क राशन वितरण, आवास, आयुष्मान योजना के अन्तर्गत 05 लाख रुपए तक का इलाज और उज्जवला योजना के तहत निःशुल्क गैस सिलेण्डर वितरित किये गए। पारदर्शी व्यवस्था के तहत आज डीबीटी के माध्यम से सब्सिडी का पैसा सीधा लाभार्थियों के खातों में भेजा जा रहा है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को सिलेण्डर रिफिल की सब्सिडी प्रदान की गई। जनपद में 01 लाख 61 हजार 216 लाभार्थियों को उज्जवला योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किया जाना है। इससे जनपद की माताओं-बहनों के जीवन में सुविधा, सुरक्षा और सम्मान को सशक्त करने की प्रतिबद्धता का साकार उदाहरण है। उन्होंने सभी महिला से कहा कि इस सिलेंडर का उपयोग अपनी आजीविका के लिए करें और आगे बढ़े। जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी ने बताया कि योजनान्तर्गत लाभार्थियों को वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रथम चरण में माह अक्टूबर 2025 से दिसम्बर 2025 तक सिलेण्डर रिफिल प्रदान किया गया था तथा द्वितीय चरण में जनवरी 2026 से मार्च 2026 तक निःशुल्क सिलेण्डर रिफिल प्रदान किया जाना है ।

उज्जवला लाभार्थी के0वाई0सी0 की प्रक्रिया पूर्ण करने उपरान्त अपनी गैस ऐजेन्सी से उक्त समयावधि में निशुल्क फ्री रिफिल योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है ।कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष धनौरा प्रवीण अग्रवाल, अध्यक्ष नगर पंचायत नौगांवा सादात जैदी, बृजेश चौधरी, जिला महामंत्री भाजपा अभिनव कौशिक सहित पार्टी पदाधिकारीगण, गैस कम्पनियों के प्रतिनिधियों सहित सम्बंधित अधिकारी एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

बहजोई पुलिस लाइन में सेवानिवृत्त कर्मियों को भावपूर्ण विदाई समारोह

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद सम्भल के पुलिस लाइन बहजोई में अधिवर्षता आयु पूर्ण करने पर सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस कर्मियों को एक गरिमामय विदाई समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गई। इस हृदयस्पर्शी कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मियों के लंबे सेवाकाल, निष्ठा, अनुशासन और उत्कृष्ट कार्यों की खूब सराहना की गई।समारोह की अध्यक्षता करते हुए क्षेत्राधिकारी यातायात मनोज कुमार सिंह ने सेवानिवृत्त कर्मियों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह के रूप में उपहार भेंट किए। उन्होंने शॉल ओढ़ाकर,

पुष्पमाला पहनाकर और मोमेंटो देकर उनका सम्मान किया। सीओ सिंह ने कहा कि ये कर्मी पुलिस विभाग की रीढ़ रहे हैं, जिन्होंने कर्तव्य पालन में कभी कोई कसर नहीं छोड़ी। उनके योगदान से न केवल विभाग मजबूत हुआ, बल्कि समाज में कानून-व्यवस्था भी सुचारू रूप से चली।कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारी, सहकर्मी और परिवारजन ने सेवानिवृत्त कर्मियों के समर्पण की कहानियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि इन कर्मियों ने वर्षों तक कठिन परिस्थितियों में ड्यूटी निभाई, अपराधियों से मुकाबला किया और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की। सभी ने उनकी निष्ठा और समर्पण पर तारीफ की तथा कहा कि उनका अनुभव विभाग के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगा।कार्यक्रम के अंत में सभी ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु, सुखमय पारिवारिक जीवन और उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। भावुक क्षणों में आंसू छलक पड़े जब सहकर्मियों ने उन्हें सलामी दी और विदाई गीत गाकर भावभीनी अलविदा कहा। यह समारोह पुलिस विभाग की पारिवारिक एकता का सुंदर उदाहरण बना।

उदयगिरि गोस्वामी के तीसरी बार जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर भाजपा कार्यकताओं ने किया जोरदार स्वागत

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में उदयगिरि गोस्वामी को भारतीय जनता पार्टी ने तीसरी बार अमरोहा जनपद का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनके जिलाध्यक्ष बनने पर कार्यकताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। रविवार की दोपहर उन्होंने जिला कार्यालय पहुंचने पर कार्यकताओं द्वारा किए गए जोरदार स्वागत के बाद पत्रकारों से बातचीत की। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने संगठन में बदलाव के संकेत दिए। बता दें कि रविवार को भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर उदयगिरि गोस्वामी पर भरोसा जताते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। दोपहर बारह बजे जिला कार्यालय पहुंचने पर कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जिससे कार्यालय परिसर में उत्साह का माहौल बन गया।पत्रकारों से बात करते हुए,

गोस्वामी ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह संगठन की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए पूरी मेहनत और लगन से काम करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार जिला संगठन की कार्यकारिणी में महत्वपूर्ण बदलाव किए जाएंगे।इन बदलावों के लिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं की राय ली जाएगी।

उदयगिरि गोस्वामी हाल के दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया' अभियान को बढ़ावा देते भी नजर आए हैं, जिससे कार्यकताओं में भी नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है।

उज्ज्वला योजना का भव्य कार्यक्रम: 800 लाभार्थियों को मिले सब्सिडी चेक

सम्भल (सब का सपना):- प्रधानमंत्री उज्वला योजना के तहत निःशुल्क सिलेण्डर रिफिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन डी.आर. रिसोर्ट, नगर बहजोई में किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लोकभवन सभागार, लखनऊ से सजीव प्रसारण के माध्यम से प्रदेशव्यापी कार्यक्रम में लगभग 800 लाभार्थी शामिल हुए।कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्षा अनामिका यादव, पूर्व मंत्री अजीत कुमार उर्फ राजू, महिला आयोग सदस्य मंजू दिलेर, नगरपालिका अध्यक्ष राजेश शंकर उर्फ राजू, भाजपा जिला अध्यक्ष हरेन्द्र सिंह उर्फ रिंकु, पूर्व जिला अध्यक्ष ओमवीर सिंह

खड़गबंशी, जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा और मुख्य विकास अधिकारी शगोरखनाथ भट्ट मौजूद रहे।सर्वप्रथम लाभार्थियों ने एलईडी पर मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना। इसके बाद अतिथियों ने 10 लाभार्थियों को सब्सिडी धनराशि के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए। जिलाधिकारी ने उद्बोधन में योजनाओं के प्रचार-प्रसार और जागरूकता पर जोर दिया।कार्यक्रम का संयोजन जिला पूर्ति अधिकारी शिवी गर्ग ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ समापन हुआ।

इस मौके पर डिप्टी कलेक्टर विकास चंद्र, पूर्ति विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और सभी लाभार्थी उपस्थित रहे।

अमरोहा
सोमवार 02 मार्च 2026
www.sabkasapna.com
बिजनौर
हिंदी दैनिक
सब का सपना 5

ग्राम समाज की भूमि पर अवैध भराव, संयुक्त कार्रवाई में दो गिरफ्तार

स्योहारा /बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र में ग्राम समाज की भूमि पर अवैध मिट्टी भराव का मामला सामने आने से प्रशासन में हलचल मच गई। शनिवार की देर रात पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त कार्रवाई ने खनन माफियाओं की गतिविधियों पर तत्काल विराम लगा दिया। मिली जानकारी के अनुसार गांव जमापुर में ग्राम समाज की भूमि पर मिट्टी का भराव कार्य किया जा रहा था। ग्रामीणों ने जब इसका विरोध किया तो आरोप है कि खनन में लगे लोग उनसे उलझ पड़े। स्थिति बिगड़ती देख किसी ग्रामीण ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए दो ट्रैक्टर डम्पर और एक लोडर को कब्जे में ले लिया। मौके से दो लोगों को हिरासत में भी लिया गया। तहसीलदार धामपुर ने मौके पर पहुंचकर लेखपाल को तत्काल जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिस स्थान से मिट्टी उठाई गई और जहां भराव किया जा रहा था, दोनों स्थलों की पैमाइश कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। प्रथम दृष्टया कार्य बिना अनुमति के किया जा रहा था। भूमि ग्राम समाज की है या नहीं, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। थाना प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि राजस्व विभाग के साथ संयुक्त कार्रवाई की गई। जावेद उर्फ जेडी और सरफराज को हिरासत में लेकर शांतिभंग की धाराओं में चालान किया गया है। जब्त किए गए दोनों ट्रैक्टर डम्पर और लोडर को सीज कर दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि इस संबंध में कोई तहरीर प्राप्त होती है तो आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है

कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन की गतिविधियां चल रही हैं, जिससे सार्वजनिक भूमि को नुकसान पहुंच रहा है। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

दीवार से ईंट गिरने से दूध विक्रेता गंभीर घायल, जिला अस्पताल रेफर

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगर में निर्माण कार्य के दौरान दीवार से ईंट गिरने से एक दूध विक्रेता गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नगीना ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहल्ला अंबेडकर नगर स्थित सपा विधायक मनोज पारस के निमार्णाधीन मकान की छत पर पर्दे की दीवार का निर्माण कार्य चल रहा था। राजमिस्त्री द्वारा ताजा बनी दीवार पर प्लास्टर के लिए लकड़ी गाड़ी जा रही थी। इसी दौरान लकड़ी के दीवार से टकराने पर अचानक ईंटें नीचे गिर गईं। उसी समय थाना क्षेत्र के ग्राम पखनपुर निवासी अनिल कुमार (दूध विक्रेता) रोजाना की तरह बाइक से गली में दूध देने पहुंचे थे। अचानक गिरी ईंट उनके सिर पर लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। विधायक के छोटे भाई धर्मेंद्र पारस एवं परिजनों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को अपनी गाड़ी से सीएचसी नगीना पहुंचाया। वहां चिकित्सक डॉ. माज शम्मसी ने प्राथमिक उपचार कर हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा इंतजामों को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

गजरौला थाना प्रभारी ने क्षेत्र में होलीका दहन स्थलों का किया निरीक्षण, व्यवस्थाएं जांची

गजरौला/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद की गजरौलत नगर कोतवाली के थाना प्रभारी मनोज कुमार ने होली के पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु क्षेत्र में बनाए गए होलीका दहन स्थलों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने होली का स्थलों पर जाकर सुरक्षा व्यवस्थाएं जांची। बता दें कि रविवार को थाना प्रभारी मनोज कुमार ने पुलिस बल के साथ क्षेत्र के गांव मोहरका पट्टी सहित अन्य क्षेत्रों जहां होलिका दहन स्थल बनाए गए हैं वहां पहुंचकर उनका जायजा लिया। उन्होंने क्षेत्र के अन्य स्थानों पर भी घूमकर सुरक्षा व्यवस्था का मुआयना किया।

थाना प्रभारी मनोज कुमार ने सभी नागरिकों से होली का पर्व भाईचारे और मिलजुल कर मनाने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी ने भी कानून व्यवस्था का उल्लंघन किया, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पंजाब के जिले में प्लाट की कीमत हुई डबल, नए रेट जान रह जाएंगे हैरान

मोहाली : शहर के मशहूर इंडस्ट्रियल एरिया फेज-8इ में इंडस्ट्रियल प्लॉट्स की कीमतों में चौंकाने वाली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सिर्फ तीन महीने के अंदर 500 गज के प्लॉट्स की कीमत लगभग दोगुनी हो गई है। पिछले साल जून में जहां ये प्लॉट्स करीब 4.5 करोड़ रुपये में बिके थे, वहीं अब नई नीलामी में यही प्लॉट्स 8.5 करोड़ रुपये तक की ऊंची बोली लगाकर बेचे गए हैं। पंजाब स्मॉल इंडस्ट्रीज एंड एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन (ढरक्एउ) की तरफ से बुधवार देर शाम की गई नीलामी के दौरान 500 स्क्वायर यार्ड के कुल 16 इंडस्ट्रियल प्लॉट्स 99 साल की लीज पर बेचे गए।

इन प्लॉट्स के लिए रिजर्व प्राइस 1.90 करोड़ रुपये रखा गया था, लेकिन बोली प्रक्रिया के दौरान मुकाबला काफी कड़ा रहा और सबसे ऊंची बोली 8.5 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। कई प्लॉट्स करीब 7 करोड़ रुपये में बिके। गौरतलब है कि पिछले साल जून में हुई नीलामी में सबसे ज्यादा बोली 8.5 करोड़ रुपये लगी थी, जबकि ज्यादातर प्लॉट करीब 7 करोड़ रुपये में बिके थे। हालांकि, इस बार कॉम्पिटिशन बढ़ने और इन्वेस्टर्स की दिलचस्पी ने कीमतों को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है। ढरक्एउ की मैनेजिंग डायरेक्टर सुरभि मलिक ने कहा कि नीलामी को इंडस्ट्रियलिस्ट्स से बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। उन्होंने कहा कि कॉर्पोरेशन राज्य में इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और छोटी और बड़ी इंडस्ट्रीज को सही जगह देने के लिए लगातार कोशिश कर रहा है। इंडस्ट्रियल पॉलिसी 2019 के तहत 500 स्क्वायर यार्ड के इंडस्ट्रियल प्लॉट की यह तीसरी नीलामी थी।

5 फरवरी को शुरू हुए नीलामी कैंपेन के तहत अब तक राज्य भर में करीब 350 इंडस्ट्रियल प्लॉट बिक चुके हैं। इनमें मोहाली और लुधियाना समेत कई अहम इंडस्ट्रियल शहर शामिल हैं।

प्लॉट का साइज 240 स्क्वायर यार्ड से 44 एकड़ तक रखा गया है, ताकि छोटी और बड़ी, दोनों तरह की इंडस्ट्रीज की जरूरतें पूरी हो सकें। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का मानना है कि मोहाली की लोकेशन, बेहतर सड़कों और इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से यहां इन्वेस्टमेंट की डिमांड लगातार बढ़ रही है, जिसका सीधा असर प्लॉट्स की कीमतों पर पड़ रहा है।

गजरौला पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जनपद न्यायालय

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला थाना पुलिस ने धारा 170 के तहत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अलीवारिस पुत्र मेहरबान, शादाब पुत्र जमशेद (दोनों निवासी मोहरका पट्टी, थाना गजरौला) और मोहम्मद अब्दुल्ला पुत्र मोहम्मद तैयब (निवासी सीकरी खादर, थाना गजरौला, जिला अमरोहा) के रूप में हुई है।यह कार्रवाई अमरोहा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई है। पुलिस लगातार ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है जो कानून व्यवस्था को बाधित करने का प्रयास करते हैं।थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगी।

गुरदासपुर में एनकाऊंटर किए गए रंजीत सिंह के परिवार का धरना, उच्च स्तरीय जांच की मांग

गुरदासपुर : 25 फरवरी को पंजाब पुलिस की चौकी पर हुए हमले में दो पुलिस कर्मियों की मौत के मामले से जुड़े गांव आदिया निवासी युवक रंजीत सिंह की पुलिस मुठभेड़ में हुई मौत के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि रंजीत सिंह का फर्जी मुठभेड़ में कत्ल किया गया है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। इसी संबंध में आज परिजनों, रिश्तेदारों और स्थानीय लोगों के साथ-साथ विभिन्न राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक संगठनों के नेताओं ने अमृतसरझपठानकोट मार्ग पर स्थित गुरदासपुर के बबरी बाईपास चौक पर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए इंसाफ की मांग की। धरने के दौरान मृतक के ताया हरविंदर सिंह ने कहा कि परिवार की मांग है कि रंजीत सिंह के शव का पोस्टमार्टम किसी उच्च स्तरीय सरकारी चिकित्सा संस्थान के विशेषज्ञ चिकित्सकों के दल द्वारा कराया जाए और पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाए, ताकि मौत के वास्तविक कारण सामने आ सकें। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा बताए जा रहे हमले के सबूत भी परिवार के सामने रखे जाएं। परिवार और संगठनों के नेताओं ने मांग की कि पूरे घटनाक्रम की जांच केंद्रीय जांच एजैंसी या किसी माननीय न्यायालय के कार्यरत न्यायाधीश की अध्यक्षता में कराई जाए। धरने में हरविंदर सिंह (मृतक के ताया), सुच्चा सिंह छोटेपुर, बलविंदर कौर (अमृतपाल सिंह की माता) और सुखपाल सिंह खैरा सहित कई नेता मौजूद रहे। नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि यदि मांगें पूरी नहीं की गईं तो संघर्ष को और तेज किया जाएगा।हरविंदर सिंह ने बताया कि फिलहाल धरना समाप्त कर दिया गया है और प्रशासन द्वारा परिवार तथा बनाई गई संघर्ष समिति के साथ बातचीत का आश्वासन दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो अगली रणनीति जल्द घोषित की जाएगी।

होली पर्व में आंख, पेट और त्वचा की सुरक्षा को लेकर लापरवाही हुई तो संकट आना तय

प्रयागराज,(एजेंसी) । । रंगों का पर्व होली खुशियों का त्योहार है। आप को रंग एवं खान पान में सावधानी रखना है। यदि तनिक भी लापरवाही हुई तो आप के जीवन में संकट खड़ा हो सकता है। यह अपील रविवार को जनमानस से प्रयागराज के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अरुण कुमार तिवारी ने की है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि होली का त्योहार जहां रंगों और उमंग का संदेश देता है, वहीं थोड़ी-सी लापरवाही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी खड़ी कर सकती है। शहर के वरिष्ठ चिकित्सकों ने लोगों से अपील की है कि उत्सव के दौरान आंखों, पेट और त्वचा की विशेष देखभाल करें, ताकि त्योहार की खुशियां सुरक्षित बनी रहें। आंखों की सुरक्षा अतिआवश्यक मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य एवं प्रसिद्ध नेत्र सर्जन एवं प्रोफेसर डॉ. एस.पी. सिंह कहना है कि बाजार में मिलने वाले कई रंगों में हानिकारक केमिकल मिले रहते हैं, जिनसे आंखों में जलन, लालिमा, सूजन और संक्रमण हो सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि कॉन्टैक्ट लेंस पहनकर होली खेलना खतरनाक हो सकता है। होली खेलने से पहले आंखों के आसपास हल्का तेल लगाएं और संभव हो तो चश्मा पहनें। यदि आंख में रंग चला जाए तो तुरंत साफ पानी से धोएं, आंखों को रगड़ें नहीं और किसी भी प्रकार की घरेलू दवा या गुलाबजल न डालें। धुंधला दिखाई देना, तेज दर्द या लगातार जलन होने पर तत्काल नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें। डॉ. सिंह ने कहा, थोड़ी-सी सावधानी से हम त्योहार की खुशी को सुरक्षित रख सकते हैं। होली पर्व में सावधानी से करें खानपान गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. संदीप प्रजापति ने कहा कि गुझिया, मालपुआ, दही-भल्ला और ठंडाई जैसे पारंपरिक व्यंजन होली की पहचान हैं, लेकिन अत्यधिक तला-भुना और मीठा भोजन पेट की समस्याओं को जन्म दे सकता है। उन्होंने बताया कि ज्यादा मिठाई, ठंडाई या भांग का सेवन गैस, एसिडिटी, उल्टी-दस्त और पेट दर्द का कारण बन सकता है। उन्होंने साफ पानी पीने, बासी भोजन से बचने और ताजे फल-सलाद को आहार में शामिल करने की सलाह दी। यदि पेट खराब हो जाए तो हल्का और सुपाच्य भोजन लें, ओआरएस या नारियल पानी का सेवन करें और समस्या बढ़ने पर चिकित्सकीय परामर्श अवश्य लें। केमिकल युक्त रंग त्वचा के लिए खतरनाक खतरा मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के स्किन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. एस.के. ओझा ने कहा कि होली में प्रयोग होने वाले रासायनिक रंग त्वचा पर एलर्जी, खुजली और रैशेज का कारण बन सकते हैं। उन्होंने सलाह दी कि होली खेलने से पहले शरीर पर तेल या मॉइश्चराइजर लगाएं, पूरे बाजू के कपड़े पहनें और हर्बल रंगों का उपयोग करें। रंग लगने के बाद गुनगुने पानी से धीरे-धीरे साफ करें और कठोर साबुन का प्रयोग न करें।

होला मोहल्ला पर आने वाली संगत दें ध्यान, रूट हुआ डायवर्ट

नूरपुरबेदी : होला मोहल्ला के राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर श्री आनंदपुर साहिब में देश-विदेश से भारी संख्या में पहुंच रही संगत की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा आज से 4 मार्च तक लगभग 5 दिनों के लिए नूरपुरबेदी क्षेत्र से समस्त ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। प्रशासन के इस निर्णय के चलते चंडीगढ़, नंगल और हिमाचल प्रदेश की ओर जाने वाले वाहनों को नूरपुरबेदी के रास्ते होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक का दबाव काफी बढ़ गया है। होला मोहल्ला के दौरान हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्री आनंदपुर साहिब में माथा टेकने पहुंचते हैं। इस वर्ष भी लाखों लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने पहले से ही ट्रैफिक प्रबंध मजबूत करने की योजना तैयार की है। नूरपुरबेदी क्षेत्र से वाहनों की आवाजाही बढ़ने के कारण स्थानीय निवासियों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। थाना प्रभारी नूरपुरबेदी इंस्पैक्टर रोहित शर्मा स्वयं मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। उनके दिशा-निर्देशों के तहत पुलिस चौकी कलवां के इंचार्ज ए.एस.आई. चरण सिंह तथा पुलिस चौकी हरिपुर के इंचार्ज द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्रों में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए ड्यूटी निभाई जा रही है। इसके अतिरिक्त बस अड्डा नूरपुरबेदी, आजमपुर बाईपास, कांगड़ चौक और झज्ज चौक जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर विशेष पुलिस बंदोबस्त किया गया है। पुलिस कर्मचारी लगातार वाहनों को सही दिशा में मोड़ रहे हैं और ट्रैफिक जाम की स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए प्रयासरत हैं।उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा 24 घंटे ड्यूटी लगाई गई है ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। उन्होंने राहगीरों और वाहन चालकों से अपील की कि वे ट्रैफिक नियमों का पूर्ण रूप से पालन करें, गलत दिशा में वाहन न चलाएं तथा पुलिस के निदेशों का पालन करें। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस द्वारा किए जा रहे प्रबंधों की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि होला मोहल्ला के दौरान किसी को भी आवागमन संबंधी बड़ी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। प्रशासन द्वारा स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है ताकि त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो सके।

प्रगतिशील पत्रकार एसोसिएशन की बैठक में एकजुट रहने का संकल्प, होली मिलन भी आयोजित

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- प्रगतिशील पत्रकार एसोसिएशन (पंजी.) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर संगठन को मजबूत बनाने तथा पत्रकारों के बीच एकजुटता बनाए रखने का निर्णय लिया गया। बैठक के साथ ही होली मिलन समारोह भी उत्साहपूर्वक मनाया गया।स्थानीय पंजी पत्रकार कार्यालय पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता संगठन अध्यक्ष डॉ. रतेंद्र बिश्नोई ने की, जबकि संचालन महामंत्री धर्मेंद्र चौधरी ने किया। बैठक के दौरान संगठन से जुड़े तीन पत्रकार – अंकुर कुमार, अक्षय चौहान एवं अनिल कुमार – की पुनः संगठन में वापसी कराई गई, जिसका उपस्थित सदस्यों ने स्वागत किया। होली पर्व के अवसर पर आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में पत्रकारों ने एक-दूसरे को गुलाल और रंग लगाकर तथा पारंपरिक गुजिया खिलाकर शुभकामनाएं दीं। सभी ने आपसी सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर डॉ. रतेंद्र बिश्नोई ने कहा कि पत्रकारिता की गरिमा बनाए रखने के लिए सभी पत्रकारों को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाचार सदैव तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर प्रकाशित होने चाहिए तथा संगठन की मजबूती ही पत्रकारों की सबसे बड़ी ताकत है। बैठक को मनोज वाल्मीकि, मुकेश त्यागी, नंदकिशोर, अफसार सिद्दीकी, विकास अग्रवाल, राशिद उस्मानी, मनोज टंडन, अभय बिश्नोई सहित अन्य पत्रकारों ने भी संबोधित किया। इस मौके पर संगठन के अनेक पत्रकार सदस्य उपस्थित रहे।

नगर पालिका में तीन कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर दी गई भावभीनी विदाई

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद नगीना में लंबे समय तक सेवाएं देने वाले सफाई नायक महेश उर्फ दारा सहित तीन कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर समारोहपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर चेयरपर्सन पुत्र एवं नगर पालिका अध्यक्ष संघ के जिला अध्यक्ष शाहनवाज खलील ने कर्मचारियों को शॉल ओढ़ाकर, पुष्पमाला पहनाकर तथा छह-छह लाख रुपये से अधिक के चेक प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पालिका का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। नगर पालिका प्रांगण में आयोजित विदाई समारोह की अध्यक्षता शाहनवाज खलील ने तथा संचालन मनोज वाल्मीकि ने किया। जानकारी के अनुसार सफाई नायक महेश उर्फ दारा की नियुक्ति 15 फरवरी 1986 को हुई थी और लगभग 40 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के बाद 26 फरवरी 2026 को सेवानिवृत्त हुए। उनके साथ सफाई कर्मचारी हुकुम सिंह तथा टैक्स वसूली विभाग में कार्यरत महेश कुमार को भी सेवानिवृत्ति पर सम्मानित किया गया। समारोह में भाजपा के क्षेत्रीय मंत्री अनूप वाल्मीकि एवं शाहनवाज खलील ने महेश उर्फ दारा को 6 लाख 42 हजार रुपये तथा हुकुम सिंह को 6 लाख 33 हजार रुपये का चेक भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी। इससे पूर्व वक्ताओं ने कर्मचारियों की एकजुटता पर बल देते हुए अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और ईमानदारी से कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही हेल्थ मैन्युअल एक्ट के अनुसार सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति तथा रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती किए जाने की मांग भी उठाई गई, ताकि बेरोजगारी कम हो सके।अध्यक्षीय संबोधन में शाहनवाज खलील ने कहा कि उनका कर्मचारियों से वर्षों पुराना पारिवारिक संबंध रहा है और वे हमेशा कर्मचारियों को परिवार का सदस्य मानते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनके कार्यकाल में किसी कर्मचारी के साथ उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने महेश उर्फ दारा की खेल एवं सामाजिक उपलब्धियों का भी उल्लेख करते हुए उन्हें नगर पालिका की शान बताया। विदाई समारोह में भावुक होते हुए महेश उर्फ दारा ने चेयरपर्सन ताहिरा खलील एवं स्वर्गीय शेख खलीलुर्रहमान के प्रति आभार व्यक्त किया तथा सम्मान स्वरूप पगड़ी भेंट की। इस अवसर पर राजकुमार उर्फ जौनी, रोहित बदर, मुनीम, शारिक अहमद सभासद, डॉ. राकेश कुमार सहित नगर पालिका के कर्मचारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

sab ka sapna 02 March 2026:Layout 1 01-03-2026 20:56 Page 6

वित्त मंत्री नायब सिंह सैनी के बजट में जनकल्याण और सुशासन पर रहेगा फोकसः तरुण भंडारी

चंडीगढ़ : हरियाणा सी एम के राजनैतिक सचिव तरुण भंडारी ने कहा है कि -हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रस्तुत होने वाले बजट में विकास की दिशा, जनकल्याण की प्राथमिकताओं और भविष्य की योजनाओं को सशक्त आधार प्रदान करेगा। प्रदेश की बीजेपी सरकार ने कार्यभार संभालते समय जो संकल्प पत्र प्रदेश की जनता के समक्ष रखा था, वह हमारे लिए गीता के समान है। वह सुशासन, पारदर्शिता तथा जनहित के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता का स्पष्ट दस्तावेज है।पूरा देश जानता है कि भाजपा सरकारों में कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं है। प्रदेश की बीजेपी सरकार ने भी अपने संकल्पों को जमीन पर उतारने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि 19 सितम्बर, 2024 को जारी किए गए संकल्प पत्र के 217 वादों में से 60 वादे पूरे किए जा चुके हैं और 120 वादों पर तेजी से कार्य किया जा रहा है।मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी ने कहा कि वर्ष 2026-27 के लिए बजट बनाने की प्रक्रिया जारी है। पूर्व-बजट परामर्श की परंपरा को निभाते हुए, उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों के साथ अब तक कुल 13 बैठकें की हैं। इनमें उन्हें 2 हजार 199 सुझाव प्राप्त हुए।इस बार प्रदेश सरकार ने ए.आई. चैटबॉट का नया प्रयोग किया।इसके माध्यम से भी लगभग 12 हजार 400 सुझाव प्राप्त हुए हैं। इन सभी पर मंथन जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार कम से कम 4-5 हजार सुझावों को आगामी बजट वर्ष 2026-27 में सम्मिलित करेंगे। भंडारी ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में उनका हरियाणा की जनता से वादा है कि आगामी बजट वर्ष 2026-27 न केवल जनता की भावनाओं और आकांक्षाओं को भली-भांति पूरा करेगा, बल्कि उनके परिवारों, गांवों, शहरों, जिलों और समूचे हरियाणा के विकसित भविष्य की सुदृढ़ नींव रखेगा।उन्होंने हरियाणा की अर्थव्यवस्था और राजकोष की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि 29 जनवरी, 2026 को योजना विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार राज्य का सकल घरेलू उत्पाद अर्थात जी.डी.पी. वर्ष 2025-26 के अग्रिम अनुमानित आंकड़ों के अनुसार 13 लाख 67 हजार 769 करोड़ रुपए रहा है। जबकि गत वर्ष के इन्हीं आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में यह 12 लाख 13 हजार 951 करोड़ रुपए था। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि वर्ष 2025-26 में वर्ष 2024-25 के मुकाबले राज्य की जी.डी.पी. 12.67 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। 29 जनवरी, 2026 को योजना विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में राज्य की प्रतिव्यक्ति आय 3 लाख 58 हजार 171 रुपए रही है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिव्यक्ति आय 2 लाख 19 हजार 575 रुपए है। हरियाणा की प्रतिव्यक्ति आय देश के शीर्ष 5 राज्यों में शामिल है। भंडारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हरियाणा की प्रति व्यक्ति आय लगातार बढ़ी है। वर्ष 2014-15 में राज्य की प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 47 हजार 382 रुपए थी। इन आंकड़ों से यह पूर्णतः स्पष्ट होता है कि पिछले 10 वर्षों में राज्य की प्रति व्यक्ति आय में लगभग ढाई गुणा की वृद्धि हुई है। वर्ष 2024-25 में राज्य सरकार के सभी विभागों का वास्तविक खर्चा 1 लाख 75 हजार 801 करोड़ रुपए था, जबकि वर्ष 2014-15 में यह केवल 61 हजार 904 करोड़ रुपए था। चालू वित्त वर्ष में 16 फरवरी, 2026 तक सभी विभागों का वास्तविक खर्चा 1 लाख 59 हजार 747 करोड़ रुपए है। मार्च माह तक यह आंकड़ा लगभग 2 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा

जंग के बीच कतर में फंसा रोहतक का सुरेंद्र, परिजनों में डर का माहौल

रोहतक : सूचनाएं आ रही है कि ईरान ने अमेरिकी बेस पर हमला कर दिया है वो हमला कतर में भी हुआ है। कतर में बहुत से भारतीय फंसे हैं जिसमें से एक हरियाणा के रोहतक के गांव मायना के सुरेंद्र भी शामिल हैं। बता दें कि सुरेंद्र ने सोशल मीडिया पर मिसाइल चलने वीडियो अपलोड किए थे। हमले के बाद सुरेंद्र ने परिवार से भी बात की। परिवार से बात कर सुरेंद्र ने अपने आप को महफूज बताया। परिवार में डर का माहौल बना हुआ है तथा सरकार से भारतीयों जल्द कतर से वापस लाए जाने की अपील की। सुरेंद्र 30 साल से मर्चेंट नेवी में हैं और 3 साल से कतर में काम कर रहे हैं।

हरियाणा में अब इन कर्मियों को लाडली की शादी पर मिलेगा 2.5 लाख का शगुन

चंडीगढ़ः एक अप्रैल से पुलिस विभाग अपने जवानों की बेटी की शादी पर 2.5 लाख रुपये शगुन देगा। यह योजना आईपीएस अधिकारियों से लेकर कांस्टेबल रैंक के जवानों तक सभी के लिए लागू होगी। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल की अध्यक्षता में शनिवार को ईआरएसएस ऑडिटोरियम पंचकूला में हुई बी-लेवल कल्याण गोष्ठी में यह घोषणा की गई। डीजीपी को इस पहल को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंजूरी दे दी है। डीजीपी ने शगुन राशि भविष्य में बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने की घोषणा की है। वर्ष-2025 में हरियाणा पुलिस के 17 हजार 985 कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच की गई है। साथ ही पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मनोरोग विशेषज्ञों के साथ भी बैठक की गई। एचडीएफसी बैंक के साथ अनुबंध के माध्यम से हादसे में मृत्यु बीमा कवर को बढ़ाकर एक करोड़ और प्राकृतिक मृत्यु की स्थिति में भी सहायता राशि को बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया गया है। एक्स ग्रेशिया में 381 आश्रितों को नौकरी दी गई और शहीदों के परिवार को मिलने वाली राशि को तीन गुना बढ़ाया गया है। कांस्टेबल रैंक तक करीब 70 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं जो इस योजना लाभार्थी होंगे। हरियाणा पुलिस कल्याण कोष से यह राशि लाभार्थियों को प्रदान की जाएगी। के गोष्ठी में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के कल्याण से जुड़े विषयों पर विस्तार से मंथन करते हुए आगामी योजनाओं की रूपरेखा पर चर्चा हुई। गोष्ठी में बीते एक माह में शहीद हुए दो पुलिसकर्मियों इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद और पीएसआई रवि को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए योजनाओं को बेहतर बनाने पर अधिकारियों ने सुझाव भी दिए।

हरियाणा में 3 युवकों ने नाबालिग से किया गैंगरेप, सुनसान जगह ले जाकर की दरिंदगी

सनौलीः सनौली थाना क्षेत्र में किशोरी ने तीन युवकों पर सुनसान जगह पर ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि एक युवक किशोरी को बहलाकर अपने साथ ले गया। उसने सुनसान स्थान पर दो अन्य दोस्तों के साथ मिलकर उसके साथ दुराचार किया। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली। सनौली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि 20 फरवरी को उनकी 16 साल की बेटी के साथ रामड़ा आर के सावेज, जावेद और अकरम ने दुष्कर्म किया। एक आरोपी उनकी बेटी को बहलाकर अपने साथ ले गया। इस दौरान आरोपी के दोस्त भी वहां पहुंच गए। उन्होंने भी किशोरी के साथ दुराचार किया और धमकी देकर वहां से भाग गए। तीन-चार दिन बाद किशोरी ने अपने परिजनों को मामले की जानकारी दी। इसके बाद परिजन उसे लेकर थाने पर पहुंचे और शिकायत दी। शुक्रवार को पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली।

हरियाणा कांस्टेबल भर्ती का कब होगा फिजिकल टेस्ट? एचएसएससी ने बताई तारीख

हरियाणा : हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन द्वारा 5500 कांस्टेबल पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया अब अगले चरण में पहुंच रही है। लिखित परीक्षा के बाद अब करीब तीन लाख कैंडिडेट्स फिजिकल मेजरमेंट टेस्ट पीएमटी और फिजिकल स्क्रीनिंग टेस्ट पीएसटी में भाग लेंगे। इसकी शुरूआत 7 मार्च से होने की संभावना है। असल में इस प्रक्रिया के लिए ताऊ देवीलाल स्टेडियम, पंचकूला के बास्केटबॉल और वॉलीबॉल हॉल को बुक किया गया है। हरियाणा पुलिस में कांस्टेबल के 5500 पदों के लिए तीन लाख युवाओं ने आवेदन किया है। इस समय अभ्यर्थी सुबह-शाम मैदानों अभ्यास कर पसीना बहा रहे हैं, क्यूंकि उन्हें दौड़, लंबाई माप और अन्य फिटनेस मानकों पर खरा उतरना है। आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने पहले ही बता दिया है कि स्पोर्ट्स कोटा के अभ्यर्थियों का पीएमटी और पीएसटी एक साथ आयोजित किया जाएगा। जिससे प्रक्रिया पारदर्शी हो सके। वहीं चेयरमैन हिम्मत सिंह ने कहा कि वायरल हुआ पत्र सही है। उन्होंने बताया कि फिजिकल टेस्ट बहुत जल्द शुरू किए जाएंगे। पूरा शेड्यूल और जरूरी निर्देश आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी होंगे। उम्मीदवारों को अपने तय क्रम के अनुसार पंचकूला पहुंचकर टेस्ट देना होगा। आयोग ने फिजिकल टेस्ट की तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। मार्च महीने में तय जगहों पर नियमों के अनुसार परीक्षण होंगे।

यमुनानगर में युवक की निर्मम हत्या

यमुनानगर : यमुनानगर के तीर्थ नगर के पास रेलवे लाइनों के पास एक युवक की निर्मम हत्या कर दी गई। युवक के मुंह में फेविकोल डालकर कपड़ा ठूसा दिया गया और पेड़ से बांधकर गला घोंट कर मौत के घाट उतार दिया। हालांकि यह व्यक्ति कौन है, इसके बारे में अभी कुछ भी पता नहीं चल पाया, लेकिन पुलिस की तमाम टीम मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लेने के बाद कार्रवाई में जुट चुकी है। बता दें कि शव से कुछ दूरी पर उसका एक जूता पड़ा हुआ था, जबकि शव की दूसरी तरफ एक दुपट्टा भी पड़ा हुआ था लेकिन जो दुपट्टा युवक के मुंह में ठूंस रखा था, वह सफेद रंग का था। लग रहा है कि युवक की हत्या कहीं और की गई। बाद में यहां लाकर शव फेंक दिया गया। शव के पास सफेद के पेड़ पर रस्सी के ऐसे निशान थे कि मानों युवक का गला रस्सी से बांधकर इस पेड़ से खींच कर गला दबाया गया होगा। इस पूरे मामले में पुलिस ने तमाम सबूत मौके से जुटा लिए हैं। मौके पर पुलिस ने सीन ऑफ क्राइम टीम को भी बुला लिया, ताकि हर पहलू से इस हत्याकांड की जांच की जा सके। हालांकि मृतक की अभी तक कोई भी पहचान नहीं हो पाई। युवक की बाजू पर राजीव लिखा हुआ था और वही उसकी छाती यानी कि दिल के ऊपर स्नेहा लिखा हुआ था। पुलिस ने जब मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया तो मुंह से कपड़ा निकालना भी पुलिस के लिए टेडी खीर था, क्योंकि फेविकोल से पूरा मुंह जुड़ा हुआ था और कपड़ा मुंह में पूरी तरह से चिपका हुआ था। फिलहाल पुलिस ने तमाम सबूतों को कब्जे में लेने के बाद शव कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया।वहीं इस पूरे मामले की जांच पुलिस कर रही है।

हरियाणा में कक्षा 1 से 8 तक की वार्षिक परीक्षा 11 मार्च से शुरू

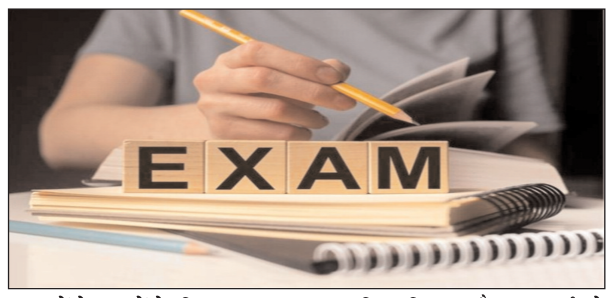

चंडीगढ़ः हरियाणा विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कक्षा पहली से आठवीं तक की वार्षिक परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दी है। विभाग के आधिकारिक आदेश के अनुसार परीक्षाएं 11 मार्च 2026 से शुरू होकर 18 मार्च 2026 तक चलेंगी। सभी सरकारी और निजी स्कूलों में परीक्षा सुबह 8:30 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। शिक्षा विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। उपस्थिति, मूल्यांकन और परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया तय समयसीमा में पूरी करने को कहा गया है। कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों की 13 मार्च को अंग्रेजी, 14 मार्च को हिंदी, 16 मार्च को गणित और 18 मार्च को ईवीएस की परीक्षा होगी। इन कक्षाओं के बच्चों के लिए यह साल की अंतिम मूल्यांकन परीक्षा है, इसलिए स्कूलों ने तैयारी तेज कर दी है। प्राथमिक कक्षाओं में बेसिक लर्निंग पर जोर है। ऐसे में अभिभावकों की भूमिका भी अहम हो जाती है, क्योंकि कम उम्र के बच्चों के लिए समय प्रबंधन और दोहराव जरूरी है।

कक्षा छठी के विद्यार्थियों की 11 मार्च को हिंदी, 12 मार्च को अंग्रेजी, 13 मार्च को संस्कृत, उर्दू व पंजाबी, 14 मार्च को विज्ञान, 16 मार्च को सामाजिक विज्ञान और 18 मार्च को गणित की परीक्षा होगी। मिडिल कक्षाओं में विषयों की संख्या बढ़ने से तैयारी का दबाव भी बढ़ता है। इसलिए स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षा प्रक्रिया शांतिपूर्ण और पारदर्शी रहे। 7वीं और 8वीं का विस्तृत कार्यक्रम

कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों की 11 मार्च को अंग्रेजी, 12 मार्च को विज्ञान, 13 मार्च को गणित, 14 मार्च को संस्कृत, उर्दू व पंजाबी, 16 मार्च को सामाजिक विज्ञान, 17 मार्च को हिंदी और 18 मार्च को ड्राइंग व संगीत की परीक्षा होगी। कक्षा आठवीं की 11 मार्च को गणित, 12 मार्च को हिंदी, 13 मार्च को अंग्रेजी, 14 मार्च को सामाजिक विज्ञान, 16 मार्च को संस्कृत, उर्दू व पंजाबी, 17 मार्च को ड्राइंग व संगीत और 18 मार्च को विज्ञान की परीक्षा होगी। नई शिक्षा नीति के तहत असफल विद्यार्थियों और अंक सुधार के इच्छुक छात्रों के लिए अप्रैल में सप्लीमेंटरी परीक्षा आयोजित की जाएगी। इससे विद्यार्थियों का एक शैक्षणिक वर्ष बच सकेगा और उन्हें दोबारा तैयारी का अवसर मिलेगा। राज्यभर के लाखों विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए यह डेटशीट अहम है। अब स्कूलों में दोहराव, मॉडल टेस्ट और रिवीजन क्लास का दौर तेज होने की संभावना है।

किसी कार्यक्रम से लौट रहे लोगों के साथ हुआ भयानक हादसा, 3 महिलाओं की हुई मौत

भिवानी : भिवानी जिले के गांव नवा धिराणा के समीप दर्दनाक सड़क हादसे में छोटा हाथी (मालवाहक वाहन) अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। हादसे में तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय ग्रामीण तुरंत सहायता के लिए पहुंचे। प्राप्त जानकारी के अनुसार छोटा हाथी में कई लोग सवार थे और वह किसी कार्यक्रम से लौट रहे थे। अचानक वाहन चालक का नियंत्रण बिगड़ गया, जिससे वाहन सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। घायलों को तुरंत नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का कारण माना जा रहा है।

हरियाणा में कचरे से बनेगी बिजली, प्रपोजल को सरकार की हरी झंड़ी

हिसारः हरियाणा में ठोस कचरा प्रबंधन को वैज्ञानिक और उचित दिशा देने की कवायद अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। स्वच्छ शहरों की परिकल्पना को साकार करने के लिए शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने वेस्ट-टू-एनर्जी परियोजनाओं को प्राथमिकता में रखते हुए बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। इसके तहत हिसार में पांच जिलों के कचरे से एनर्जी बनाई जाएगी। इसमें हिसार, जींद, फतेहाबाद, हांसी और भिवानी (सिवानी) क्षेत्र शामिल है। इन जिलों के कचरे को हिसार में एकजुट कर यहां लगने वाले प्लांट में उस कचरे को एनर्जी में बदला जाएगा।

निगमायुक्त नीरज ने बताया कि यह पहल केंद्र सरकार की स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के उद्देश्यों के अनुरूप होगी। इसका मकसद लैंडफिल पर निर्भरता कम करना और कचरे के वैज्ञानिक निपटान को बढ़ावा देना है। बता दें कि हिसार सहित गुरुग्राम और फरीदाबाद नगर निगमों में कचरे से ऊर्जा उत्पादन के लिए माडल (रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल) आरएफपी तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से जारी मॉडल आरएफपी के आधार पर राज्य स्तर पर एक समिति का गठन किया है। इस समिति में हिसार, फरीबाद और गुरुग्राम नगर निगम के आयुक्त

(हिसार से निगमायुक्त नीरज, गुरुग्राम से प्रदीप दहिया और फरीदाबाद से निगमायुक्त धीरेंद्र खड़गटा) सहित दो अतिरिक्त आयुक्त गुरुग्राम से अंकिता चौधरी और यश शामिल किए गए हैं। समिति को 20 दिनों के भीतर प्रारूप आरएफपी तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

बता दे कि आईएएस प्रदीप दहिया और आईएएस नीरज कचरा प्रबंधन पर लंबे समय से बेहतर कार्य कर रहे है। उन्होंने कचरे से एनर्जी बनाने के प्रपोजल पर सरकार की बैठकों में मुद्दा भी अपनी राय भी दी थी। ऐसे में सरकार ने इन दोनों आइएएस को इस प्रोजेक्ट में शामिल किया है। इन वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्रों को पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर विकसित करने की योजना है। इससे निजी निवेश को आकर्षित करने के साथ-साथ तकनीकी दक्षता भी सुनिश्चित करने की मंशा झलकती है। अधिकारियों का मानना है कि इससे नगर निगमों पर वित्तीय बोझ कम होगा और ऊर्जा उत्पादन का एक वैकल्पिक स्रोत भी तैयार होगा। शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अनुसार, प्रारूप आरएफपी तैयार होने के बाद संबंधित नगर निगमों के साथ विस्तृत बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में परियोजना संरचना, शर्तों और व्यावहारिक पहलुओं पर गहन चर्चा होगी, ताकि अंतिम आरएफपी को लागू करने से पहले किसी भी प्रकार की कमी न रह जाए।

रेवाड़ी में जूते-कपड़ों के गोदाम में लगी आग

रेवाड़ी : रेवाड़ी के मॉडल टाउन इलाके में रविवार सुबह करीब 10 बजे जूते और कपड़ों के एक गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। इस घटना में शोबॉक्स के गोदाम में रखा लाखों रुपये का सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार, आग गोदाम के बेसमेंट में लगी, जिसके बाद पूरे परिसर में घना धुआं भर गया। हालात बिगड़ते देख कर्मचारियों ने दमकल गाड़ियों पर चढ़कर गोदाम के शीशे पत्थरों से तोड़े, ताकि धुएं को बाहर निकाला जा सके। आग की तेज गर्मी के कारण छत पर लगी फैंसी सीलिंग टूटकर नीचे गिर गई। लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास की दुकानों और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दुकानदारों ने तुरंत गोदाम मालिक को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही गोदाम मालिक मौके पर पहुंचे और दमकल विभाग को बुलाया गया। दमकल विभाग की दो गाड़ियां तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना की सूचना पर मॉडल टाउन थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, इस आगजनी में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस और दमकल विभाग संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रहे हैं।

कैथल की महादेव कॉलोनी में भीषण आग, घर खाली होने से बड़ा हादसा टला

कैथल : हरियाणा के कैथल की महादेव कॉलोनी में देर शाम अचानक मकान में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि जिस घर में आग लगी, उस परिवार के सदस्य उस समय बाहर गए हुए थे, जिससे घर खाली था।मकान मालिक एक बुजुर्ग व्यक्ति हैं, जो उसी बिल्डिंग के नीचे रहते हैं। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों ने तुरंत बचाव की कोशिश की और फाइर ब्रिगेड बुलाई। आग लगने से घर में रखा सामान जलकर राख हो गया और लाखों रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। फिलहाल आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और इलाके में कुछ समय के लिए हड़कंप का माहौल बन गया। राहत की बात यह रही कि घर खाली होने के कारण किसी के घायल होने की खबर नहीं है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है और आग के असली कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बड़ी कामयाबीः हिसार से गिरफ्तार हुआ 15 हजार करोड़ के जीएसटी घोटाले का मास्टरमाइंड, रखा गया था 50 हजार का इनामी

हिसारः नोएडा की एसटीएफ यूनिट ने 15 हजार करोड़ रुपए के चर्चित जीएसटी घोटाले में फरार चल रहे 50 हजार रुपए के इनामी आरोपी को हरियाणा के हिसार से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बलदेव के रूप में हुई है। एसटीएफ की टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से उसे उसके घर से दबोचा और बाद में नोएडा की सेक्टर 20 थाना पुलिस को सौंप दिया है।काफी समय से पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी.अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ राजकुमार मिश्रा ने बताया कि आरोपी पर गौतमबुद्ध नगर कमिश्नररेट पुलिस की और से 50 हजार का इनाम घोषित था. वह सेक्टर 20 कोतवाली समेत अन्य थानों में दर्ज धोखाधड़ी और गैंगस्टर एक्ट के तीन मामलों में वांछित चल रहा था। एसटीएफ की पूछताछ में सामने आया कि बलदेव ने साल 2012 में पंजाब यूनिवर्सिटी से एमबीए करने के बाद हिसार में मेडिकल स्टोर खोला था। कारोबार में अधिक मुनाफा न होने के कारण उसे स्टोर बंद करना पड़ा. इसके बाद वह 2014 में पुरानी गाड़ियों की खरीद-फरोख्त के कारोबार से जुड़ गया। इस दौरान उसकी मुलाकात दिल्ली निवासी अर्चित गोयल से हुई. वह पुरानी कार खरीदने के सिलसिले से उसके संपर्क में आया था।पुलिस के अनुसार, पैसों के लालच में आकर बलदेव कथित रूप से जीएसटी फर्जीवाड़े के नेटवर्क से जुड़ गया था। इस दौरान फर्जी फर्मो के जरिए इसने ह्यइनपुट टैक्स क्रेडिटह्न का दुरुपयोग कर सरकार को हजारों करोड़ों रुपए का नुकसान पहुंचाया.

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि नेटवर्क ने विभिन्न राज्यों में सेल कंपनियां बनाकर फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन लिए और काल्पनिक लेनदेन दिखाकर टैक्स रिफंड और क्रेडिट का लाभ उठाया। एसटीएफ का कहना है

कि आरोपी की गिरफ्तारी के बाद गिरोह के अन्य सदस्यों बैंक खातों, जीएसटी रजिस्ट्रेशन, सेल कंपनी और संदीप वित्त लेनदेन की गहनता से जांच की जा रही है. आशंका है कि इस नेटवर्क में कई राज्यों के लोग शामिल हैं और इसका दायरा राष्ट्रीय स्तर तक फैला हुआ है ।अपर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिश्रा ने बताया कि नोएडा पुलिस को आरोपी की लंबे समय से तलाश थी.

डंपर ने बाइक सवारों को कुचला, मां-बेटी की दर्दनाक मौत

करनालः करनाल के सेक्टर 9 में एक तेज रफ्तार डंपर ने खुशियों भरे परिवार को मातम में बदल दिया। हादसे में बाइक सवार एक महिला और किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चालक गंभीर रूप से घायल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, करनाल के बड़ा गांव का रहने वाला एक परिवार बाइक पर सवार होकर अपने किसी रिश्तेदार से मिलने जा रहा था। बाइक पर एक व्यक्ति, एक महिला (उम्र 50-55 वर्ष) और एक लड़की (उम्र 16-18 वर्ष) सवार थे। वे अपने साथ उपहार स्वरूप फल भी ले जा रहे थे, जो हादसे के बाद पूरी सड़क पर बिखर गए।ल्ल जैसे ही उनकी बाइक सेक्टर 9 के पास पहुँची, पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित डंपर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों सड़क पर गिर गए और डंपर चालक महिला व लड़की को कुचलता हुआ मौके से फरार हो गया।हादसे के वक्त वहां से गुजर रहे हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंदर कल्याण ने तुरंत अपनी गाड़ी रुकवाई। उन्होंने संवेदनशीलता दिखाते हुए मौके पर बचाव कार्य में मदद की और गंभीर रूप से घायल बाइक चालक को तुरंत अस्पताल पहुँचाने का प्रबंध किया। फिलहाल घायल का इलाज अस्पताल में जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की टीमें मौके पर पहुँच गईं। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए करनाल पोस्टमार्टम हाउस भिजवा दिया गया है।

कहीं आप तो नहीं कर रहे ये गलतीः एफबी पर फर्जी विज्ञापन से फंसा रिटायर्ड फौजी, 40.52 लाख की साइबर ठगी

कुरुक्षेत्र : हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में साइबर ठगों ने एक रिटायर्ड सैन्य जवान को स्टॉक मार्केट में मोटे मुनाफे का लालच देकर 40 लाख 52 हजार रुपए की चपत लगा दी। ठगों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म Facebook पर वित्त मंत्री के नाम से फर्जी विज्ञापन दिखाकर पीड़ित को जाल में फंसाया। थाना केयूके में दर्ज शिकायत के अनुसार, गांव बगथला निवासी आर्मी से रिटायर्ड शकीन सिंह ने बताया कि 17 जनवरी को उन्होंने फेसबुक पर ग्लोबल टेक न्यूज नाम की आईडी से एक पोस्ट देखी। पोस्ट में वित्त मंत्री का वीडियो दशार्या गया था, जिसमें कम समय में अधिक पैसा कमाने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर रजिस्ट्रेशन करने की बात कही

गई थी। वीडियो में दावा किया गया था कि 21 हजार रुपए निवेश करने पर हर सप्ताह 50-60 हजार रुपए तक का मुनाफा मिलेगा। लिंक पर क्लिक कर रजिस्ट्रेशन करने के कुछ देर बाद पीड़ित के पास इंटरनेशनल नंबर से कॉल आई। कॉलर ने खुद को कंपनी का अकाउंट मैनेजर बताया और सीनियर सिटीजन होने के नाते विशेष छूट देने का भरोसा दिलाया। इसके बाद Proxtrend.com नामक वेबसाइट पर ट्रेडिंग अकाउंट खुलवाकर करीब 19 हजार रुपए जमा करवाए गए। दो दिन बाद दोबारा कॉल कर बताया गया कि अकाउंट में मुनाफा हो चुका है। ऐप पर प्रॉफिट की रकम भी दिखाई गई। लालच बढ़ाने के लिए ज्यादा निवेश पर ज्यादा रिटर्न का झांसा दिया गया।

कॉलर की बातों में आकर पीड़ित ने अलग-अलग समय पर 10 लाख, 8 लाख, 2 लाख 30 हजार, 5 लाख 71 हजार समेत कुल 40 लाख 52 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। कुछ समय बाद आरोपी ने फोन उठाना बंद कर दिया। ऐप से पैसे निकालने की कोशिश की गई, लेकिन कोई रकम विड्रॉ नहीं हो सकी।पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम पुलिस में दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर थाना इंचार्ज पीएसआई महेश कुमार ने बताया कि ठग शुरूआत में नकली प्रॉफिट दिखाकर विश्वास जीतते हैं और बाद में बड़ी रकम हड़प लेते हैं।पंजाब केसरी द्वारा जुटाए गई जानकारी के अनुसार ऐसे करें साइबर ठगी से बचाव-इस मामले को लेकर पंजाब केसरी टीम द्वारा जानकारी जुटाई गई और लोगों को जागरूक करने के लिए बेहतर तरीका यह निकल गया कि- सोशल मीडिया पर दिखने वाले निवेश संबंधी विज्ञापनों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें।

केवल विश्वसनीय और अधिकृत प्लेटफॉर्म पर ही निवेश करें। ज्यादा मुनाफे के लालच से बचें, क्योंकि ठग इसी मनोविज्ञान का फायदा उठाते हैं। यदि ठगी का संदेह हो तो तुरंत अपने बैंक कस्टमर केयर से संपर्क कर खाता फ्रीज करवाएं।

ट्रांजेक्शन का मैसेज मिलते ही 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें।

24 घंटे के भीतर राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता

है। होली भारत का अत्यंत प्राचीन पर्व है जो होली, होलिका या होलाका नाम से मनाया जाता था। वसंत की ऋतु में हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने के कारण इसे वसंतोत्सव और काम-महोत्सव भी कहा गया है।

रंगों का महापर्व होली

रंग खेलते हुए अगर थोड़ी सी लापरवाही हो जाए तो आपकी आंखों और त्वचा को काफी नुकसान हो सकता है।

राधा-श्याम गोप और गोपियो की होली

इतिहासकारों का मानना है कि आर्यों में भी इस पर्व का प्रचलन था लेकिन अधिकतर यह पूर्वी भारत में ही मनाया जाता था। इस पर्व का वर्णन अनेक पुरातन धार्मिक पुस्तकों में मिलता है। इनमें प्रमुख हैं, जैमिनी के पूर्व मीमांसा-सूत्र और कथा गार्ह्य-सूत्र। नारद पुराण और भविष्य पुराण जैसे पुराणों की प्राचीन हस्तलिपियों और ग्रंथों में भी इस पर्व का उल्लेख मिलता है। विंध्य क्षेत्र के रामगढ़ स्थान पर स्थित ईसा से 300 वर्ष पुराने एक अभिलेख में भी इसका उल्लेख किया गया है। संस्कृत साहित्य में वसन्त ऋतु और वसन्तोत्सव अनेक कवियों के प्रिय विषय रहे हैं।

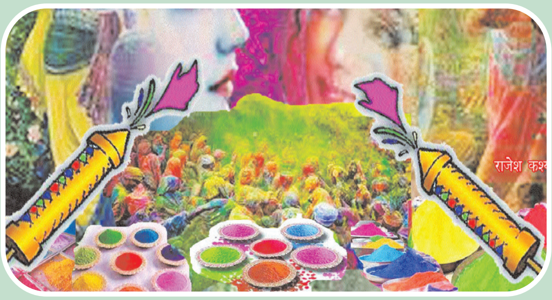

सार्वजनिक होली मिलन

सारा समाज होली के रंग में रंगकर एक-सा बन जाता है। रंग खेलने के बाद देर दोपहर तक लोग नहाते हैं और शाम को नए वस्त्र पहनकर सबसे मिलने जाते हैं।

होली से अगला दिन धूलिवंदन कहलाता है। इस दिन लोग रंगों से खेलते हैं। सुबह होते ही सब अपने मित्रों और रिश्तेदारों से मिलने निकल पड़ते हैं। गुलाल और रंगों से सबका स्वागत किया जाता है। लोग अपनी ईर्ष्या-द्वेष की भावना भुलाकर प्रेमपूर्वक गले मिलते हैं तथा एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। इस दिन जगह-जगह टोलियाँ रंग-बिरंगे कपड़े पहने नाचती-गाती दिखाई पड़ती हैं। बच्चे पिचकारियों से रंग छोड़कर अपना मनोरंजन करते हैं। सारा समाज होली के रंग में रंगकर एक-सा बन जाता है। रंग खेलने के बाद देर दोपहर तक लोग नहाते हैं और शाम को नए वस्त्र पहनकर सबसे मिलने जाते हैं। प्रीति भोज तथा गाने-बजाने के कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।होली के दिन घरों में खीर, पूरी और पूड़े आदि विभिन्न व्यंजन पकाए जाते हैं। इस अवसर पर अनेक मिठाइयाँ बनाई जाती हैं जिनमें गुझियों का स्थान अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। बेसन के सेव और दहीबड़े भी सामान्य रूप से उत्तर प्रदेश में रहने वाले हर परिवार में बनाए व खिलाए जाते हैं। कांजी, भांग और ठंडाई इस पर्व के विशेष पेय होते हैं। पर ये कुछ ही लोगों को भाते हैं। इस अवसर पर उत्तरी भारत के प्राय: सभी राज्यों के सरकारी कार्यालयों में अवकाश रहता है, पर दक्षिण भारत में उतना लोकप्रिय न होने की वज़ह से इस दिन सरकारी संस्थानों में अवकाश नहीं रहता ।

गुलाल में ऐसे छोटे-छोटे कण मौजूद होते हैं, जो यदि आंखों में चले जाएं तो कॉर्निया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कॉर्नियल एब्रेशन ऐसी ही एक एमरजेंसी होती है, जहां आंखों से निरंतर पानी गिरता रहता है और दर्द भी बना रहता है। यदि ध्यान न दिया जाए तो आंखों में संक्रमण या अल्सर हो सकता है।

होली खेलें पर सावधानी से

अब रंगों के त्योहार होली का बड़ी ही उत्सुकता से इंतजार किया जा रहा है। होली से जुड़ा है रंग, गुलाल व अबीर। लेकिन रंग खेलते हुए अगर थोड़ी सी लापरवाही हो जाए तो आपकी आंखों और त्वचा को काफी नुकसान हो सकता है।

होली के समय में हमारी आंखों को सबसे अधिक नुकसान पहुंच सकता है, क्योंकि होली में इस्तेमाल किए जाने वाले रंग आंखों में जलन, संक्रमण पैदा कर सकते हैं या फिर आंखों को चोटिल कर सकते हैं। होली के बाद अस्पतालों में सामान्य तौर पर त्वचा व आंखों के मरीजों की आवाजाही बढ़ जाती है। इसलिए सावधानी जरूर बरतनी चाहिए।

आंखों में जलन की समस्या

कुछ रंगों के आंखों के साथ संपर्क में आने से आंखों में जलन होने लगती है और आंखें लाल हो जाती हैं। अगर यह समस्या दो चार दिनों में ठीक न हो तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी हो जाता है। आंखों में किसी प्रकार की समस्या होने पर यह देखना चाहिए कि आपकी दृष्टि की स्पष्टता में तो कोई कमी नहीं आई है? यदि हां तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

ये सावधानियां हैं जरूरी

- अपनी आंखों को बचाकर रखें। कोई आप के पास रंग लगाने आए तो अपनी आंखों को बंद करके पहले बचाने का प्रयास करें।
- आंखों में चश्मा पहनें, जिससे खतरनाक रंगों के रसायन से आपकी आंखें बच सकें।
- बालों पर कोई बड़ी-सी टोपी या हैट लगाएं, जिससे आपके बालों का केमिकल डाई के दुष्प्रभाव से बचाव हो सके।
- नहाते समय और रंगों को निकालते समय आंखों को अच्छी तरह से बंद कर लें ताकि पानी के साथ बहता हुआ रंग आप की आंखों में प्रवेश न कर सके।
- घर पर खुद ही रंग बनाएं और उन्हीं का इस्तेमाल करें। बाहर के खरीदे हुए हानिकारक रंगों को इस्तेमाल न ही करें तो ही अच्छा है।
- बच्चों को गुब्बारों से खेलने के लिए उत्साहित न करें, क्योंकि गुब्बारे कभी भी किसी की आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- अपने रंग लगे हाथों को आंखों के पास न ले जाएं। हाथ धोने के बाद ही आंखों को छुएं। आंखों को मसलने या रगड़ने की गलती भी न करें।
- ऐसे लोगों से बचने का प्रयास करें, जो हाथों से आपके चेहरे पर रंग लगाने आएं। यदि कोई रंग लगाने आए तो आप आंखों और होंठों को बंद कर लें ताकि रंग आपके मुंह या आंखों में न जा पाए।
- होली खेलने से पहले चेहरे पर कोल्ड क्रीम की एक मोटी परत लगाएं ताकि रंग लगने के बाद जब आप अपना चेहरा धोएं तो रंग आसानी से निकल जाए।
- यदि आंखों में कोई रंग चला जाए तो तुरंत पानी के छीटे मारें। यदि लक्षण कुछ भीषण प्रतीत हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।
- होली के बाद आपको आंखों में हल्की असहजता महसूस हो रही हो तो रुई के फाहे पर गुलाब जल छिड़क कर आंखों पर थोड़ी देर के लिए रखें। इससे आपकी थकी हुई आंखों को आराम मिलेगा।
- यदि आंखों में रंग चला जाए और आंखों में जलन, सूजन या दर्द हो तो साफ पानी से आंखें धोएं। थोड़ी देर देखें, अगर तब भी लक्षण ऐसे ही रहें तो डॉक्टर के पास जाएं।
- यदि आंख में गुब्बारे या रंग में मिले हुए किसी कण से चोट लग गई हो, रेटिना को नुकसान पहुंचा हो, रक्तस्त्रव हो, तो आंखों को पानी से धोने की गलती न करें। ऐसे में आंखें बंद करें और तुरंत अस्पताल जाएं।

आंखों को चोट न लगे

गुलाल में ऐसे छोटे-छोटे कण मौजूद होते हैं, जो यदि आंखों में चले जाएं तो कॉर्निया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कॉर्नियल एब्रेशन ऐसी ही एक एमरजेंसी होती है, जहां आंखों से निरंतर पानी गिरता रहता है और दर्द भी बना रहता है। यदि ध्यान न दिया जाए तो आंखों में संक्रमण या अल्सर हो सकता है। होली पर गुब्बारों के इस्तेमाल से आंखों में अंदरूनी रक्तस्त्रव हो सकता है या किसी प्रकार की भी चोट लग सकती है।

होली रंगों का त्योहार है, हँसी-खुशी का त्योहार है, लेकिन होली के भी अनेक रूप देखने को मिलते है। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रचलन, भांग-ठंडाई की जगह नशेबाजी और लोक संगीत की जगह फ़िल्मी गानों का प्रचलन इसके कुछ आधुनिक रूप हैं। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फाग, धमार, चैती और ठुमरी की शान में कमी नहीं

आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारंपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति सचेत हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएँ चंदन, गुलाबजल, टेसू के फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं। रासायनिक रंगों के कुप्रभावों की जानकारी होने के बाद बहुत से लोग स्वयं ही प्राकृतिक रंगों की ओर लौट रहे हैं। होली की लोकप्रियता का विकसित होता हुआ अंतर्राष्ट्रीय रूप भी आकार लेने लगा है। बाज़ार में इसकी उपयोगिता का अंदाज़ इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्ज़ोआमूर द्वारा जारी किए गए नए इत्र होली है से लगाया जा सकता है।

भगवान नृसिंह द्वारा हिरण्यकशिपु का वध

माना जाता है कि प्राचीन काल में हिरण्यकशिपु नाम का एक अत्यंत बलशाली असुर था। अपने बल के दर्प में वह स्वयं को ही ईश्वर मानने लगा था। उसने अपने राज्य में ईश्वर का नाम लेने पर ही पाबंदी लगा दी थी। हिरण्यकशिपु का पुत्र प्रह्लाद ईश्वर भक्त था। प्रह्लाद की ईश्वर भक्ति से क्रुद्ध होकर हिरण्यकशिपु ने उसे अनेक कठोर दंड दिए, परंतु उसने ईश्वर की भक्ति का मार्ग न छोड़ा। हिरण्यकशिपु की बहन होलिका को वरदान प्राप्त था कि वह आग में भस्म नहीं हो सकती। हिरण्यकशिपु ने आदेश दिया कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठे। आग में बैठने पर होलिका तो जल गई, पर प्रह्लाद बच गया। ईश्वर भक्त प्रह्लाद की याद में इस दिन होली जलाई जाती है। प्रतीक रूप से यह भी माना जता है कि प्रह्लाद का अर्थ आनन्द होता है।

वैर और उत्पीड़न की प्रतीक होलिका (जलाने की लकड़ी) जलती है और प्रेम तथा उल्लास का प्रतीक प्रह्लाद (आनंद) अक्षुण्ण रहता है। प्रह्लाद की कथा के अतिरिक्त यह पर्व राक्षसी ढुंढी, राधा कृष्ण के रास और कामदेव के पुनर्जन्म से भी जुड़ा हुआ है। कुछ लोगों का मानना है कि होली में रंग लगाकर, नाच-गाकर लोग शिव के गणों का वेश धारण करते हैं तथा शिव की बारात का दृश्य बनाते हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इस दिन पूतना नामक राक्षसी का वध किया था। इसी ख़ुशी में गोपियों और ग्वालों ने रासलीला की और रंग खेला था।

सभी देशवासियों व क्षेत्रवासियों को रंगो के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनायें
दानिश फराज
इंचार्ज अध्यापक
निवेदकः- प्राथमिक विद्यालय पीतमपुर, वि० खं० गंगेश्वरी, अमरोहा

सभी देशवासियों व क्षेत्रवासियों को रंगो के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनायें
हरवीर सिंह
इंचार्ज अध्यापक
निवेदकः- प्राथमिक विद्यालय तिगरिया नादिरशाह, वि० खं० गंगेश्वरी, अमरोहा

सभी देशवासियों व क्षेत्रवासियों को रंगो के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनायें
जयवीर सिंह
प्रधानाध्यक
निवेदकः- उच्च प्राथमिक विद्यालय सांथलपुर, वि० खं० गंगेश्वरी, अमरोहा

सभी देशवासियों व क्षेत्रवासियों को रंगो के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनायें
जितेन्द्र सिंह
सहायक अध्यापक
निवेदकः- कम्पोजिट प्राथमिक विद्यालय ओगपुरा, वि० खं० गंगेश्वरी, अमरोहा

सभी देशवासियों व क्षेत्रवासियों को रंगो के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनायें
प्रमोद कुमार
इंचार्ज अध्यापक
निवेदकः- उच्च प्राथमिक विद्यालय खरपडी, वि० खं० गंगेश्वरी, अमरोहा

सभी देशवासियों व क्षेत्रवासियों को रंगो के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनायें
राजेश कुमार
इंचार्ज अध्यापक
निवेदकः- प्राथमिक विद्यालय महमूदाबाद, वि० खं० गंगेश्वरी, अमरोहा

सभी देशवासियों व क्षेत्रवासियों को रंगो के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनायें
राजकुमार सिंह
रोजगार सेवक
निवेदकः- ग्राम पंचायत नानई लिशडाँ, वि० खं० गंगेश्वरी, अमरोहा

सभी देशवासियों व क्षेत्रवासियों को रंगो के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनायें
ऋषिपाल सिंह
ग्राम प्रधान
निवेदकः- ग्राम पंचायत नानई लिशडाँ, वि० खं० गंगेश्वरी, अमरोहा

सभी देशवासियों व क्षेत्रवासियों को रंगो के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनायें
संजय सिंह
प्रधानाध्यापक
शिक्षक संकुल
निवेदकः- प्राथमिक पाठशाला पिपलोती खुर्द, वि० खं० गंगेश्वरी, अमरोहा

सभी देशवासियों व क्षेत्रवासियों को रंगो के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनायें
सतेंद्र सिंह
इंचार्ज अध्यापक
निवेदकः- प्राथमिक विद्यालय सिकंदराबाद, वि० खं० गंगेश्वरी, अमरोहा

सभी देशवासियों व क्षेत्रवासियों को रंगो के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनायें
सुक्खन सिंह
रोजगार सेवक
निवेदकः- ग्राम पंचायत सिंमथला, वि० खं० गंगेश्वरी, अमरोहा

सभी देशवासियों व क्षेत्रवासियों को रंगो के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनायें
सुनील कुमार
इंचार्ज अध्यापक
निवेदकः- उच्च प्राथमिक विद्यालय शीतला शराय, वि० खं० गंगेश्वरी, अमरोहा

सभी देशवासियों व क्षेत्रवासियों को रंगो के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनायें
विनोद कुमार
निवेदकः- ग्राम पंचायत खेलिया पटटी, वि० खं० गंगेश्वरी, अमरोहा

सभी देशवासियों व क्षेत्रवासियों को रंगो के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनायें
अंकित मावी
निवेदकः- ग्राम पंचायत ओगारपुर, वि० खं० गंगेश्वरी, अमरोहा

सभी देशवासियों व क्षेत्रवासियों को रंगो के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनायें
अर्जित कुमार
राशन डीलर
निवेदकः- ग्राम पंचायत दुल्हेपुर अहीर, वि० खं० गंगेश्वरी, अमरोहा

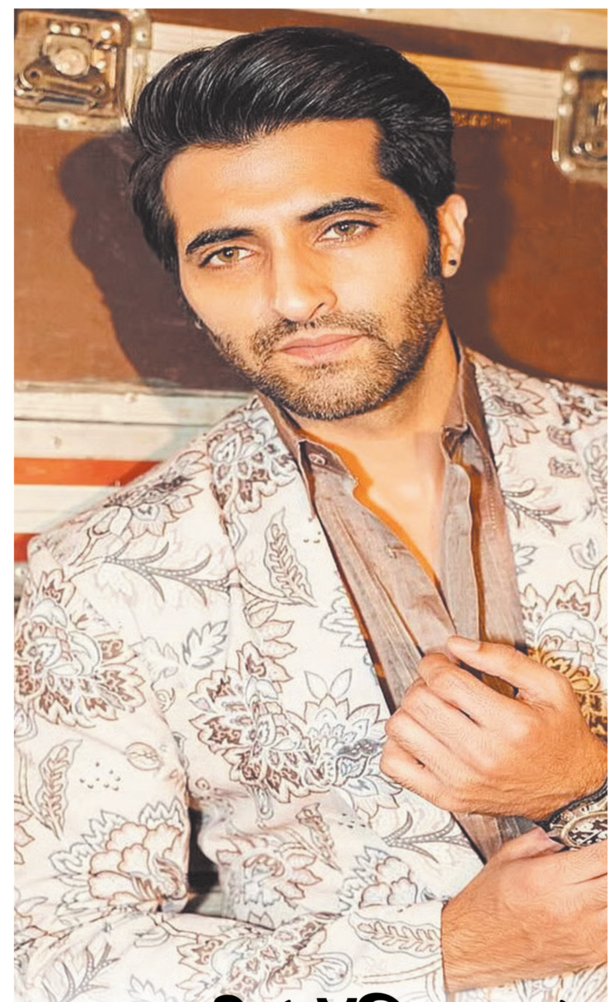

यश की 'टॉक्सिक' में नए अक्षय ओबेरॉय की एंट्री

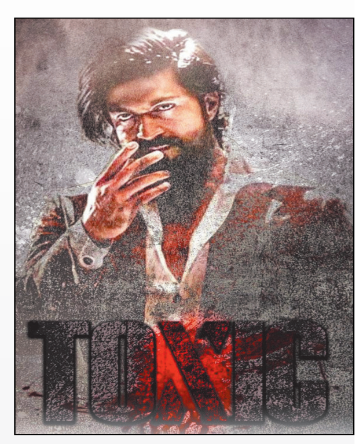

यश की अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' सुर्खियों में है। फिल्म के मेकर्स हर दिन इसकी अपडेट दे हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर जारी हुआ है जिसे दर्शकों ने पसंद किया है। अब मेकर्स ने फिल्म के एक और कलाकार का लुक जारी किया है। मेकर्स ने फिल्म से अक्षय ओबेरॉय का लुक जारी किया है। केवीएन प्रोडक्शन ने अपने इंस्टाग्राम पर अक्षय ओबेरॉय का लुक जारी किया है। इसमें वह टोनी के रूप में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में टोनी भूरे रंग के ड्रेस में हैं। वह खून से लथपथ हैं। पोस्टर में देखा जा सकता है कि उनके आस-पास कई घायल लोग पड़े हुए हैं। इन लोगों के हाथ-पैर रस्सी से बंधे हैं। फिल्म में यश, राया और टिकट के डबल रोल में नजर आएंगे। हाल ही में रिलीज हुए टीजर में राया पर ज्यादा फोकस किया गया है। इसमें उन्हें एक खतरनाक गैंगस्टर के तौर पर दिखाया गया। टीजर में भरपूर एक्शन है। मेकर्स ने फिल्म से कई कलाकारों के लुक शेयर किए हैं। इसमें नादिया के रोल में कियारा आडवाणी, गंगा के रोल में नयनतारा, एलिजाबेथ के रोल में हुमा कुरैशी, रेबेका के रोल में तारा सुतारिया, टोविनो थॉमस, डेरेल डी'सिल्वा और मेलिसा के रोल में रुक्मिणी वसंत होंगी। फिल्म 'टॉक्सिक' को यश और डायरेक्टर गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखा है। यह फिल्म 1940 और 1970 के दशक के बीच गोवा में सेट है। कन्नड़ और इंग्लिश में एक साथ शूट की गई यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगू और मलयालम जैसी भाषाओं में रिलीज होगी। टॉक्सिक 19 मार्च, 2026 को रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' के साथ बॉक्स ऑफिस पर क्लैश करने वाली है। दोनों ही बड़ी फिल्में हैं। देखना होगा कि कौन सी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टिक पाती है।

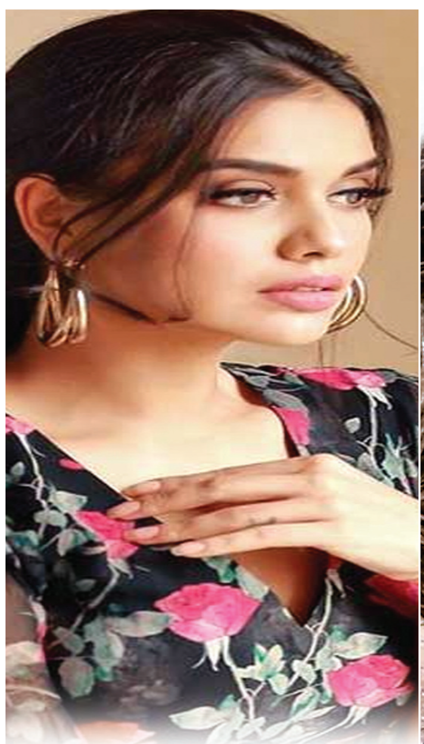

क्या द वार्डरोब में दिव्या अग्रवाल निभा रही हैं भूत का किरदार?

राज गवली प्रोडक्शन ने अपनी आगामी सुपरनैचुरल थ्रिलर द वार्डरोब का दिलचस्प फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी कर दिया है, और फैंस अब यह सवाल पूछ रहे हैं — क्या दिव्या अग्रवाल इस फिल्म में भूत का किरदार निभा रही हैं? सौरभ चौबे के निर्देशन में बनी इस हॉरर थ्रिलर में द वार्डरोब भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। पोस्टर में एक रहस्यमयी महिला को पुराने, आधे खुले लकड़ी के वार्डरोब से बाहर निकलते हुए दिखाया गया है, जिस पर लताएं लिपटी हुई हैं। खून से सने सफेद गाउन में और धुएं व अंधेरे से घिरे माहौल के बीच दिव्या का डरावना अंदाज़ उनके किरदार को लेकर कई सवाल खड़े करता है। वार्डरोब के भीतर से आती लाल रोशनी फिल्म के सुपरनैचुरल टोन को और गहरा करती है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। हालांकि मेकर्स ने कहानी के अहम पहलुओं को अभी गोपनीय रखा है, लेकिन पोस्टर ने इस बात की अटकलों को हवा दे दी है कि दिव्या किसी बेचैन आत्मा की भूमिका में हो सकती हैं।

खतरनाक स्टंट नहीं करने की चॉइस सिर्फ मेरी नहीं थी

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड की देसी गर्ल से हॉलीवुड की एक्शन गर्ल बनने तक का सफर बखूबी तय किया है। जल्द ही वह एक हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' में लीड रोल में दिखेंगी। इस फिल्म को लेकर प्रियंका काफी एक्साइटेड हैं। लेकिन फिल्म में कई एक्शन सीन्स प्रियंका ने खुद नहीं किए। इसकी वजह भी वह साझा करती हैं।

खतरनाक शॉट्स से प्रियंका ने बनाई दूरी

हाल ही में वैरायटी से की गई बातचीत में प्रियंका चोपड़ा ने कहा, 'कुछ शॉट्स ऐसे थे जिनके लिए मुझे अपने स्टंट डबल पर डिपेंड रहना पड़ा। स्टंट डबल को तीन या चार खतरनाक शॉट्स करने पड़े। इसमें चेहरे पर कांच लगने वाले सीन्स भी शामिल थे।' प्रियंका चोपड़ा आगे कहती हैं, 'यह चॉइस सिर्फ मेरी नहीं थी। प्रोडक्शन टीम को भी चिंता थी। उन्होंने मुझे खतरनाक स्टंट करने नहीं दिए। देखिए, मैं हीरो नहीं हूं, मैं काम करने के लिए काम पर जाती हूं। मैं नहीं चाहती कि किसी को चोट लगे या मुझे खुद को भी चोट लगे।'

फिल्म 'द ब्लफ' में क्या है प्रियंका चोपड़ा का किरदार?

प्रियंका चोपड़ा और कार्ल अर्बन स्टारर 'द ब्लफ' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। फ्रैंक ई फ्लावर्स के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म एक कैरिबियन महिला की कहानी है, जिसका

सीक्रेट पास्ट तब सामने आता है जब समुद्री लुटेरे उसके आइलैंड पर हमला करते हैं। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा ने गजब का एक्शन भी किया है।

इन प्रोजेक्ट्स में भी आएंगी देसी गर्ल नजर

प्रियंका चोपड़ा के करियर फ्रंट की बात करें तो वह हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' और राजामौली की पैन इंडिया फिल्म 'वाराणसी' का हिस्सा हैं। 'वाराणसी' फिल्म में प्रियंका चोपड़ा साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म बड़े स्तर पर बन रही है। इस फिल्म की शूटिंग के लिए प्रियंका चोपड़ा लगातार भारत आ रही हैं। अब उनका नाम फिल्म '007 बॉन्ड' सीरीज को लेकर भी सामने आ रहा है।

साउथ फिल्मों की अजीब डिमांड से परेशान हो रहीं है तापसी

तापसी पन्नू ने बॉलीवुड के अलावा तेलुगु, तमिल और मलयालम फिल्मों में भी अभिनय किया है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने साउथ मेकर्स की अजीब डिमांड का जिक्र किया। तापसी का मानना है कि इस वजह से कई बार सेट पर असहज स्थिति भी बन जाती थी। आखिर क्या थी वो डिमांड?

साउथ की फिल्मों को करते हुए कौन सी दिक्कत आती है?

तापसी पन्नू ने बताया कि साउथ की फिल्मों में एक्ट्रेस के अपीयरेंस पर बहुत ज्यादा फोकस किया जाता है। वह कहती हैं, 'साउथ फिल्मों में आकर्षक दिखने के लिए खास तरह के कपड़े पहनने के लिए बोला जाता है। लेकिन इसमें समस्या यह है कि सेट पर हीरोइन को यह बात बताने के लिए लड़कियां गिनती की होती हैं। ऐसे में डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर को बोलता है। फिर वह हेयर या स्टाइल टीम की किसी दीदी को बताते हैं। आप सोचो कितना शर्मनाक होगा कि सेट पर एक गाने के शूट में एक्ट्रेस का बीच में उठकर जाना है। सब देख रहे होते हैं कि क्या फर्क हुआ? फिर पता चलता है कि हमें फर्क पता नहीं चल रहा। ऐसे में एक्ट्रेसेस को वापस जाने को कहा जाता है।' तापसी का मानना है कि साउथ में एक्ट्रेस की फिजिकल अपीयरेंस पर फोकस किया जाता है। मेकर्स को लगता है कि इससे ऑडियंस की फैंटेसी पूरी होती है और फिल्म को लेकर अट्रैक्शन बढ़ता है।

फिल्म 'अस्सी' को लेकर चर्चा में तापसी पन्नू

फिल्म 'अस्सी' में कनी कुश्रुति, जीशान अय्यूब, तापसी पन्नू, कुमुद मिश्रा और रेवती जैसे कलाकार नजर आए हैं। तापसी फिल्म में रेप पीड़िता की वकील बनी हैं। वहीं रेप पीड़िता के रोल में कनी कुश्रुति दिखीं। दोनों ने ही दमदार अभिनय किया है। फिल्म 'अस्सी' की कहानी रेप पीड़िता के संघर्ष को दिखाती है, कानूनी प्रक्रिया में रेप केस के फैसलों में क्यों देरी होती है? परिवार और उस महिला पर क्या गुजरती है, इन बातों को निर्देशक ने बहुत ही संवेदनशील तरीके से दिखाया है। साथ ही इस जघन्य अपराध के पीछे की मानसिकता को भी सामने रखा है। बॉक्स ऑफिस पर भी यह फिल्म ठीक-ठाक कलेक्शन कर रही है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।